MPHIN/2021/83938

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 23 | ग्वालियर,शनिवार 5 अक्टूबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

हरियाणा में गरजे सीएम योगी आदित्यनाथ

घंटी भी बजेगी और शंख भी बजेगा, जिन्हें दिक्कत है वो कान बंद कर ले

लखनऊ, एजेंसी। विधानसभा चुनाव के प्रचार का आज अंतिम दिन है ऐसे में पार्टी के स्टार प्रचारक ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। इसी कड़ी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हरियाणा के कई विधानसभा सीटों पर प्रचार किया। उन्होंने कहा कि सशक्त हरियाणा के लिए भारतीय जनता पार्टी संकल्पित है। राज्य में तीसरी बार कमल खिलाने के लिए यहां की जनता तैयार है। हरियाणा की राष्ट्रवादी जनता विकास चुनेगी, समृद्धि चुनेगी, एक बार फिर कमल चुनेगी। डबल इंजन की भाजपा सरकार ने हरियाणा में विकास, सुरक्षा और सुशासन की नींव को निरंतर मजबूत किया है। इसलिए शाहबाद विधानसभा क्षेत्र की जनता–जनार्दन समृद्धि का कमल खिलाकर भाजपा को सेवा का अवसर देने जा रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने झूठ को फैलाने का काम किया। जो राहुल गांधी जी खटाखट–खटाखट कहने आते थे, आज वह मैदान छोड़कर पहले ही सफा–चट हो चुके हैं, लेकिन हरियाणा की जनता उसके झूठ को नकार दिया और भाजपा प्रत्याशी को दिल्ली की संसद में भेजने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा पर रोक थी, लेकिन जब भाजपा की सरकार बनी मैंने कहा, जिनको घंटे और शंख से परेशानी होती है, वो अपने कान बंद कर लें.. .कांवड़ यात्रा में डीजे भी बजेगा, घंटा–घड़ियाल भी बजेगा। उन्होंने कहा कि जो काम कांग्रेस पार्टी 500 वर्षों में नहीं हो पाया वह काम उत्तर प्रदेश की सरकार ने सिर्फ दो साल में करके दिखाया है। उन्होंने किस सनातनी को अयोध्या में राम मंदिर बनने से खुशी नहीं है लेकिन कांग्रेस दुखी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए। मंदिर निर्माण सहित धारा 370 हटाने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश में आतंकवाद बढ़ाने का कार्य किया है। कांग्रेस के 60 से 65 साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार अराजकता व बेईमानी का राज रहा तथा भारत का पैसा स्विस बैंकों में पहुंचा। कांग्रेस के लिए देश प्राथमिकता कभी नहीं रहा।उन्होंने कहा कि देश पर जब भी संकट आता है, तब कांग्रेस व राहुल गांधी नजर नहीं आते। जब कोविड के समय में संकट आया तो 140 करोड़ की जनता को छोडकर राहुल गांधी इटली में अपनी नानी के पास चले गए। उन्होंने कहा कि भारत देश के विकास में भाजपा ने अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। देश के हर कोने को बड़े सडक मार्गों के माध्यम से कनेक्ट किया गया है। जिससे देश में उद्योग व व्यापार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद हरियाणा प्रदेश में अपने संकल्प पत्र को एक कलम से लागू किया जाएगा।

हरियाणा में चुनाव प्रचार खत्म होने पर बोले पीएम मोदी

भरोसा दिल से, भाजपा फिर से...

● कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार खत्म होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में बीजेपी की हैट्रिक का भरोसा जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा के लोग एक बार फिर भाजपा को अपना समर्थन देंगे, उन्होंने कहा कि राज्य के देशभक्त नागरिक कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। अपने एक्स पोस्ट में मोदी ने लिखा कि बीते कुछ दिनों में मैंने पूरे राज्य की यात्रा की है। मैंने लोगों का जो उत्साह देखा है, उसे देखकर मुझे ये पक्का विश्वास है कि हरियाणा के लोग भाजपा को फिर अपना आशीर्वाद देने वाले हैं। हरियाणा के देशभक्त लोग, कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री ने आगे लिखा कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने हरियाणा के लोगों के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए लगातार काम किया है। हमने सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। किसान हों युवा हों महिलाएं हों गांव और शहरों का विकास हो, हमने कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। हम हरियाणा को कांग्रेस के घोटालों और दंगों वाले दौर से बाहर निकालकर लाए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता–जनार्दन जानती है कि कांग्रेस का मतलब भ्रष्टाचार, जातिवाद, सांप्रदायिकता और भाई–भतीजावाद की गारंटी है। बापू–बेटे की राजनीति का मूल उद्देश्य सिर्फ स्वार्थ है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस यानि दलाल और दामाद का सिंडिकेट...। लोग आज हिमाचल से कर्नाटक तक कांग्रेस सरकारों की विफलता भी देख रहे हैं। कांग्रेस की नीतियां लोगों को तबाह करती हैं इसलिए हरियाणा के लोग कांग्रेस को बिल्कुल नहीं चाहते हैं। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता यह जानती है कि कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती। हरियाणा के लोग देख रहे हैं कि कैसे कांग्रेस के नेता आपस में लड़ रहे हैं। ये हाल तब है, जब ये विपक्ष में हैं। हरियाणा के लोगों को इस बात से भी चोट पहुंच रही है कि दिल्ली और हरियाणा में बैठे दो खास परिवारों के इशारे पर पूरा हरियाणा अपमानित हो रहा है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने आरक्षण खत्म करने का बयान देकर अपने इरादे जता दिए हैं। हरियाणा का पिछड़ा और दलित समुदाय जातिगत हिंसा रोकने में विफल रहने पर पहले से ही कांग्रेस से नाराज चल रहा है। इसलिए लोगों ने कांग्रेस को फिर कड़ी सजा देने का मन बना लिया है। हरियाणा के गली–गली से एक ही आवाज आ रही है– भरोसा दिल से, भाजपा फिर से। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया की नजरें भारत पर हैं। दुनिया, भारत की ओर बहुत आशा और उम्मीद से देख रही है। ऐसे में यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हरियाणा के लोग एक ऐसी सरकार चुनें, जो भारत को मजबूती देने की दिशा में प्रयास करे। कांग्रेस कभी देश को मजबूत नहीं बना सकती। इसलिए मैं हरियाणा के अपने मतदाताओं से ये आग्रह करता हूं कि वे फिर से भाजपा को अपना आशीर्वाद जरूर दें।

पूर्व मंत्री बृज बिहारी हत्याकांड में बिहार के पूर्व विधायक समेत दो को उम्र कैद

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय करीब 28 साल पहले बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के मामले पटना उच्च न्यायालय के फैसले को आंशिक तौर पर पलटते हुए पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो को गुरुवार को दोषी करार दिया और उन्हें इसके लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाते 15 दिनों के अंदर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने मृतक प्रसाद की विधवा पूर्व सांसद

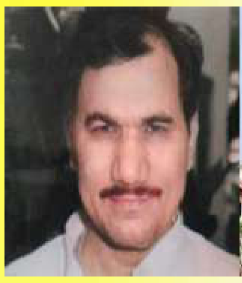

रमा देवी के अलावा इस मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर यह फैसला सुनाया। पीठ ने 1998 के इस चर्चित हत्याकांड मामले में पूर्व सांसद सूरज भान सिंह और एक अन्य आरोपी मंटू तिवारी समेत छह को संदेह का लाभ दिया और उन्हें बरी करने के उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा। पटना उच्च न्यायालय 2014 में निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए सभी आठ आरोपियों को बरी कर दिया था। बिहार के मंत्री बृज बिहारी प्रसाद हत्या मामले में निचली अदालत ने 2009 में 8 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

नसरुल्लाह के समर्थन में प्रदर्शन करने वालों पर पुलिस का शिकंजा, 8 लोग जेल भेजे गए

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जिला अमेठी में हिजबुल्लाह चीफ नसरुल्लाह के समर्थन में कैंडल मार्च निकालने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। बिना परमिशन के कैंडल मार्च निकालकर प्रदर्शन करने वाले आयोजक समेत 8 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गौरतलब हो, जायस

कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कंचाना मोहल्ले में मंगलवार शाम नसरुल्लाह के समर्थन में सैकड़ो लोगों ने कैंडल मार्च निकाला था। इस दौरान इजरायल मुर्दाबाद के नारे भी लगे थे। दरअसल, अभी हाल में ही इजरायल ने आतंकी संगठन हिजबुल्लाह चीफ नसरुल्लाह को मौत के घाट उतार दिया था। इस घटना के विरोध में शिया मुसलमानो ने कश्मीर से लेकर लखनऊ तक प्रदर्शन कर अपनी नाराज़गी जाहिर की थी। अमेठी में भी मंगलवार देर शाम बड़ी संख्या में मुसलमानो ने हाथों में हसन नसरुल्लाह का पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। बता दें कि अमेठी में त्योहारों को लेकर धारा 144 लागू है। बिना किसी परमिशन के किसी भी प्रकार के जुलूस या प्रदर्शन पर पूरी तरह से रोक है।

शाह ने अहमदाबाद में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का किया शुभारंभ

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अहमदाबाद के चाणक्यपुरी से 'गांधीनगर लोकसभा–स्वस्थ लोकसभा' अभियान के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया। श्री शाह ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के सहयोग से शुरू की जा रही मेडिकल मोबाइल वैन को भी इस अवसर पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शहर के नागरिकों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) की ओर से आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच तथा दवाई वितरण शिविर के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल तथा अहमदाबाद महानगर पालिका की महापौर प्रतिभा जैन उपस्थित रहीं। इस अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर के अंतर्गत विशेषज्ञ चिकित्सा टीमों द्वारा मेडिकल जांच, यू.एन. मेहता हॉस्पिटल की टीम द्वारा इकोकार्डियोग्राफी, रक्तदान शिविर, जनरल ओपीडी, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की जांच, क्षय रोग (टीबी) और आंखों की जांच, पोर्टेबल एक्स–रे मशीन से जांच, लेबोरेटरी परीक्षण, स्त्री रोग निदान एवं उपचार, बाल रोगों की जांच, टीकाकरण और त्वचा रोगों की जांच सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं आम जनता के लिए उपलब्ध कराई गई। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर के शुभारंभ अवसर पर विधायक अमितभाई ठाकर, जितेन्द्रभाई पटेल, हर्षदभाई पटेल, उप महापौर जतिनभाई पटेल, एएमसी के पदाधिकारी और मनपा आयुक्त एम. थेन्नारसन सहित स्थानीय पार्षदगण मौजूद रहे।

जया बच्चन सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय समिति से अलग हुईं

नई दिल्ली एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) की राज्यसभा सदस्य जया बच्चन ने संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी पर संसदीय स्थायी समिति की सदस्यता छोड़ दी है जिसके अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे हैं। राज्यसभा सचिवालय के एक बुलेटिन के अनुसार जया बच्चन अब कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की अध्यक्षता वाली श्रम, वस्त्र और कौशल विकास पर संसदीय स्थायी समिति की सदस्य होंगी। श्रम पर संसदीय स्थायी समिति के सदस्य रहे तृणमूल कांग्रेस सांसद साकेत गोखले अब जया बच्चन की जगह संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय समिति में शामिल होंगे। राज्यसभा सदस्य ए ए रहीम (माकपा) और आर गिरिराजन, जो शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों की संसदीय समिति के सदस्य थे अब आवास और शहरी मामलों की संसदीय समिति के सदस्य हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को झटका: पूर्व सांसद अशोक तंवर कांग्रेस में शामिल

चंडीगढ़, एजेंसी। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को गुरुवार को बड़ा झटका लगा। पूर्व सांसद अशोक तंवर ने महेंद्रगढ़ के गांव बवानिया में कांग्रेस ज्वाइन कर ली। राहुल गांधी ने उन्हें कांग्रेस पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। अशोक तंवर हिसार से लोकसभा सांसद और हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने 5 अक्तूबर 2019 को कांग्रेस की प्राथमिक

सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वे आप में शामिल हो गए थे। वे आप के हरियाणा चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष थे। फिर उन्होंने आप भी छोड़ दी थी। आप से इस्तीफा देने के पीछे का कारण कांग्रेस–आप के गठबंधन को बताया था। इसके बाद जनवरी 2024 में तंवर भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में उन्हें सिरसा से टिकट दिया था। वे हार गए थे। अशोक तंवर ने साल 2022 में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आप का दामन थामा था। इससे पहले वह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पार्टी में थे। टीएमसी से पहले वह कांग्रेस में थे, जहां उन्होंने एक लंबी पारी खेली थी।

बिहार में बाढ़ से चिंतित खड़गे, बोले- राहत कार्यों में तेजी लाई जाए, पीएम केयर से प्रभावितों को मिले मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार बाढ़ की भीषण चपेट में है। इससे कम से कम 16 जिले प्रभावित हुए हैं। इसको लेकर सियासत भी हो रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए मांग की कि केंद्र और राज्य सरकार को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लानी चाहिए। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि बिहार में बाढ़ का मंज़र भयंकर होता जा रहा है। 17 ज़िलों में क़रीब 15 लाख लोग बाढ़ग्रस्त हैं और पिछले कुछ दिनों में कई लोगों की मृत्यु का समाचार बेहद पीड़ादायक है। पुल टूटे हैं और ख़ासकर उत्तरी बिहार में आपदा के चलते नागरिकों के घर उजड़े हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार से हमारी माँग है कि राहत और बचाव कार्यों में तेज़ी लाई जाए ताकि पीड़ितों को त्वरित मदद मिल सके। उन्होंने आगे लिखा कि विषम परिस्थितियों में भारतीय वायुसेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें जो मदद कर रही है, उनका हम तहे दिल से धन्यवाद करते हैं। पर अभी भी राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा हर संभव मदद की बेहद ज़रूरत है।

हरियाणा में बोले राहुल गांधी

अरबपतियों की सरकार चलाते हैं पीएम मोदी

नूह, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 5 अक्टूबर को होने वाले मतदान से पहले चुनाव प्रचार के आखिरी दिन आज नूह में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हमने कश्मीर से कन्याकुमारी तक यात्रा निकाली और जहां भी बीजेपी ने श्नफरत का बाजारश् खोला, हमने श्मोहब्बत की दुकानश् खोलीं। उन्होंने दावा किया कि हम प्यार और एकता की बात करते हैं, वे नफरत फैलाते हैं और देश को तोड़ने की कोशिश करते हैं। राहुल ने दावा किया कि बीजेपी और आरएसएस संविधान को नष्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस एक वैचारिक युद्ध लड़ रही है। एक तरफ संविधान को नष्ट करने की विचारधारा है, दूसरी तरफ संविधान की विचारधारा है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि मैं अमेरिका में हरियाणा के कुछ युवाओं से मिला, वे मुझसे अपनी समस्याएं साझा करना चाहते थे। उन्होंने मुझे बताया कि वे अमेरिका इसलिए आए क्योंकि हमें हरियाणा में नौकरी नहीं मिल सकती। हरियाणा में बेरोजगारी और महंगाई है और हमें नौकरियां नहीं मिल रही हैं। वे 50 लाख रुपये का कर्ज लेकर अमेरिका आये थे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने हरियाणा को बर्बाद कर दिया है। पीएम मोदी अपने भाषणों में यह नहीं बता सकते कि उन्होंने हरियाणा को बेरोजगारी की सूची में शीर्ष पर कैसे पहुंचाया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पीएम मोदी श्अरबपतियोंश् की सरकार चलाते हैं। उन्होंने 20–25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है। पीएम मोदी ने हरियाणा के किसानों, मजदूरों और गरीबों का कितना कर्ज माफ किया? उन्होंने कहा कि हमें बेरोजगारी और महंगाई का हरियाणा नहीं चाहिए। हमें प्रगति का हरियाणा चाहिए। राहुल ने कहा कि हरियाणा में छोटी–छोटी पार्टियां घूम रही हैं। ये भाजपा की बी टीम हैं। इनको आप समर्थन मत दीजिए। आप कांग्रेस पार्टी को अपना वोट दीजिए और भाजपा की सरकार को हटाने का काम कीजिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के शेर और शेरनियां विचारधारा की लड़ाई लड़ते हैं।

मुरैना पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण हेतु विशेष जनजागरूकता अभियान 'मैं हूं अभिमन्यु' का शुभारंभ*

जितेन्द्र त्यागी ब्यूरो चीफ मुरैना
दैनिक पुष्पांजलि टुडे

मुरैना :जिले में महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से मुरैना पुलिस ने ÷मैं हूं अभिमन्यु÷ नामक विशेष जनजागरूकता अभियान की शुरुआत की। इस अभियान का उद्देश्य समाज में महिलाओं एवं बालिकाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को रोकना और समाज में लड़कों-लड़कियों को समान अवसर एवं हक दिलाना है। यह अभियान पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन दिनांक 03 अक्टूबर 2024 को पुलिस अधीक्षक मुरैना श्री समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा किया गया। पुलिस अधीक्षक ने अभियान के तहत थाना क्षेत्रों में कार्यशालाओं एवं गतिविधियों का आयोजन करने का निर्देश दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुरैना श्री डॉ. अरविंद सिंह ठाकुर ने भी विभिन्न थानों के थाना प्रभारियों एवं पुलिस कर्मियों को सक्रिय रूप से इस अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के तहत नील वर्ल्ड स्कूल में ÷मैं हूं अभिमन्यु÷ के तहत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 400 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले विजेताओं को सम्मानित किया गया। विशेष जनजागरूकता अभियान÷मैं हूं अभिमन्यु÷ अभियान 03 अक्टूबर से शुरू होकर 12 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न माध्यमों से लोगों को महिला सशक्तिकरण और समानता के प्रति जागरूक किया जाएगा। *सहयोगी जनता - सक्रिय पुलिस - सुरक्षित समाज*

सीरवी समाज कतारगांव आईमाता वडेर मे नवरात्रा घट स्थापना

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

सूरत~ सीरवी समाज ट्रस्ट कतारगाव सुरत वडेर में प्रथम नवरात्रा को कलश स्थापना की गई। संस्था के सचिव सुरेश गहलोत ने बताया कि गुरूवार को मां भंगवती की शैलपुत्री रूप माय पूजा अर्चना की गई। विधि-विधान से मंत्रोच्चारण से कलश स्थापना की गई। रात्रि में महिलाओं ने गरबा नृत्य किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अशोक गेहलोत, नेमाराम चोयल, रमेश सिंदरा, नारायण लाल भायल, मुलाराम काग एवं अन्य कमेटी सदस्य गण कि उपस्थिति में इस शुभ कार्य को संपन्न किया गया

कटारे के जन्मदिवस पर अस्पताल में किया फल वितरण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । अटेर विधायक और विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत सत्यदेव कटारे के बड़े भाई योगेश कटारे के जन्मदिवस पर आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला चिकत्सालय में कुपोषित बच्चों और जच्चा वार्ड पी.आई.सीयू शिशु वार्ड में कांग्रेस के जिला महामंत्री विवेक पचौरी और विधायक प्रतिनिधि जिला चिकत्सालय अतुल मिहोनी ने अपने साथी गणों के साथ पहुंच फल खिलौना वितरण किया। इस दौरान महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीमती रेखा भदौरिया,वर्षा ठाकुर,सपना जैन,अनिल भारद्वाज,अशुतोष शर्मा, राहुल भारद्वाज,सौमित्र राजावत, राहुल कटारे,मयंक राजावत अमन कटारे,आदित्य पुरोहित,गिर्राज पुरोहित,सोनू शर्मा,सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दतिया एक क्विंटल बादाम से पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा का भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया तुलादान

संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

दरअसल दतिया के पंचक कवि की टोरिया पर आज महाभोज का आयोजन किया गया था जिसमें की प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका तुलादान किया, एक क्विंटल बादाम से पूर्व गृहमंत्री का तुलादान किया गयापंचक कवि की टोरिया पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कोई भी चीज खराब नहीं जाना चाहिए हो सके तो बादामों को बारी-बारी से लोगों में बांटे जिससे कि खराब ना हो और व्यर्थ न जाएं,दिलचस्प बात कह रही की मजाक के मूड में बोले डॉ मिश्रा कहा की हो सके तो बादामों को वापस भी कर दें,

लापता हुए पत्रकार साथी को लेकर प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ की टीम नमे उटीला थाना प्रभारी को दिया ज्ञापन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ का प्रतिनिधि मंडल ने ग्राम ऊटीला पहुंचकर उटीला थाना प्रभारी शिवम राजावत से मुलाकात कर कुछ दिनों पूर्व लापता हुए पत्रकार साथी अशोक पाठक को लेकर चर्चा की उटीला थाना प्रभारी शिवम राजावत के द्वारा कहा गया कि पुलिस अपना कार्य पूरी लगन के साथ कर रही है अशोक पाठक को हर जगह ढूंढा जा रहा है आगे जैसी भी सूचना मिलेगी आप सभी को बता दिया जाएग इसके उपरांत लापता हुए पत्रकार साथी अशोक पाठक के परिवारजनों से भी मिलकर विचार विमर्श कियामुलाकात करने वालों में वरिष्ठ मार्गदर्शक आदरणीय भागवताचार्य रामबरन शास्त्री जी महाराज प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र सिंह पवैया राष्ट्रीय सचिव सतेन्द्र भदोरिया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भरत सिंह चौहान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अशोक सोनी प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेंद्र लोधी प्रदेश प्रचारक गिर्राज ओझा एवं उटीला से सहायक सचिव घनश्याम गुर्जर एवं पत्रकार साथी अनिरुद्ध त्रिपाठी अरुण ओझा उपस्थित रहे।

इनका कहना है

पुलिस अपना कार्य पूरी लगन के साथ कर रही है पत्रकार अशोक पाठक को हर जगह ढूंढा जा रहा है आगे जैसी भी सूचना मिलेगी आप सभी को बता दिया जाएगा

शिवम राजावत
थाना प्रभारी उटीला

कांग्रेस की बेटी बचाओ अभियान के तहत मध्यप्रदेश में महिलाओं के खिलाफ बड़ते अत्याचारों को उजागर कर सरकार को उसकी सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार बनाने की मुहिम

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। प्रदेश में महिला सुरक्षा अभियान के माध्यम से मध्यप्रदेश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों को उजागर करना और सरकार को उसकी सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार बनाना है। कांग्रेस जिला मीडिया प्रभारी पंकज त्रिपाठी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जिला/शहर/ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों तथा मोर्चा संगठन के अध्यक्षों को निर्देशित किया है,कि वे निम्नानुसार दिनांकों में बेटी बचाओ अभियान को आयोजित करें। 2 अक्टूबर 2024 को स्पीक अप कार्यक्रम के माध्यम से सभी कांग्रेसजन बेटियों के साथ हो रहे अन्याय एवं अत्याचार के खिलाफ समाज को जागृत करने हेतु अपना अपना वीड़ियों बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित करेंगे एवं अत्याचार से पीड़ित बहन-बेटियों के परिवार से मिलकर उनकी भावनाओं को भी सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनता के सामने उजागर करेंगे। 5 अक्टूबर 2024 को प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा के लिए मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस सभी जिलों में मशाल जुलूस का आयोजन करेगी एवं इस मशाल जुलूस के माध्यम से आम जनता को साथ लेकर सरकार को महिला सुरक्षा के मुद्दे पर शांतिपूर्वक तरीके से चेताया जाएगा। 7 अक्टूबर 2024 को प्रदेश की बेटियों की सुरक्षा के लिए मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस द्वारा सभी जिलों के प्रमुख गरबों के पंडाल के समीप कैंडल मार्च आयोजित किए जाएंगे। इस मार्च के माध्यम से प्रदेश की आम जनता को साथ लेकर सरकार को महिला सुरक्षा के मुद्दे पर शांतिपूर्वक तरीके से चेताया जाएगा। 8 अक्टूबर 2024 को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 8 अक्टूबर, को सभी ब्लाकों में उपवास और कन्या पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया जावेगा जिससे बालिकाओं पर हो रहे अत्याचार का विरोध एवं उन्हें सुरक्षा मिले इस हेतु समाज को जागृत किया जावेगा। 14 अक्टूबर 2024 को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रत्येक जिले की विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 50 लोग को सम्मिलित करते हुए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों (विधायक / सांसद) को महिला सुरक्षा एवं जिम्मेदारियों के संबंध में ज्ञापन सौंपेंगे। 16 अक्टूबर 2024 मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा महिला सुरक्षा को लेकर भोपाल में एक विशाल उपवास कार्यक्रम आयोजित किया जावेगा जिसमें सभी जिलों से कम से कम 100 लोग जिसमें जिला एवं ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष,विधायक,पूर्व विधायक, विधानसभा एवं लोकसभा प्रत्याशी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता,प्रदेश प्रतिनिधि, मोर्चा संगठन,विभाग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष पार्षद एवं सक्रिय कार्यकर्ता आदि की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करना। मध्यप्रदेश में हो रहे महिलाओं के साथ अत्याचार, दुराचार की घटनाओं को रोकने के संबंध में सरकार द्वारा उचित कदम नहीं उठाए गए तो मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी सरकार की चुप्पी और उदासीनता को उजागर करने हेतु पूरे प्रदेश में मध्यप्रदेश बंद का आव्हान करेगी।
कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे बेटी बचाओ अभियान में आम जनता एवं समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ना और सभी कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है।

दतिया दविश कार्यवाही के दौरान 3.29 लाख की अवैध मदिरा जब्त एवं सामग्री नष्ट अवैध शराब बेचने वाले हो जाएं सावधान आबकारी विभाग की सख्त नजर

संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

जिले में अवैध शराब पर प्रतिबंध लगाये जाने हेतु कार्यालय आबकारी आयुक्त, म.प्र के निर्देशानुसार चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत आज दिनांक 04.10.2024 को कलेक्टर दतिया श्री संदीप कुमार माकिन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार श्री प्रमोद कुमार झा, उपायुक्त आबकारी संभागीय उ[]नदस्ता ग्वालियर के मार्गदर्शन एवं जिला आबकारी अधिकारी जिला दतिया श्री राकेश सिंह राणा के निर्देशन में श्री अनिरूद्ध खानवलकर आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त सेंव[]ा द्वारा दतिया जिले के ग्राम - चीनाबंबा कंजर डेरा, में प्रभावी दविश कार्यवाही की गई है। दौराने दविश कुल 43 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिराजब्त कर, 14 ड्रम 02 मशीन को मौके पर ही नष्ट किया गया, एवं 3000 किलोग्राम लाहन* सैम्पल लेकर मौके पर नष्ट किया जाकर म0प्र0 आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 04 प्रकरण कायम किये जाकर मौके से 04 आरोपियों को गिर्फतार किया गया। । जब्त मदिरा एवं नष्ट की गई सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 3,29,800/-आंकी गई है।

उक्त कार्यवाही में श्रीमती ध्वनि भदौरिया आबकारी उपनिरीक्षक एवं आबकारी आरक्षक श्री विकास पाठक, श्री लक्ष्मीनारायण मांझी, श्री मनीष यादव, सुश्री खुशबू रघुवंशी, सुश्री याशनिका यादव एवं वाहन चालक श्री अनिल यादव एवं श्री सतीश पाल का कार्य सराहनीय रहा।

अम्बाह पीजी कॉलेज, अंबाह के हिंदी विभाग में आचार्य रामचंद्र शुक्ल जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

अम्बाह, अम्बाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबाह के हिंदी विभाग में आज आचार्य रामचंद्र शुक्ल की जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभाग के समस्त प्राध्यापकों एवं एम ए हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों द्वारा मां शारदे एवं आचार्य रामचंद्र शुक्ल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शशि वल्लभ शर्मा ने हिंदी साहित्य के इतिहास में आचार्य रामचंद्र शुक्ल की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि शुक्ल जी न केवल एक आलोचक थे बल्कि साहित्यिक इतिहासकार और निबंधकार के रूप में भी उनका योगदान अतुलनीय है।कार्यक्रम का संचालन भाषा परिषद की परामर्शदाता डॉ. अभिलाषा श्रीवास्तव ने किया। हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. पूर्णिमा अग्रवाल ने आचार्य शुक्ल के मनोविकार और उनके मनोविश्लेषणात्मक निबंधों पर संक्षिप्त चर्चा की, जिसमें 'उत्साह, श्रद्धा और भक्ति, करुणा, भय, ग्लानि, क्रोध, लज्जा' जैसे भावों पर उनके विचार सम्मिलित थे।प्रो. नीता सिंह ने उनके व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि आचार्य शुक्ल एक उच्च कोटि के आलोचक, कवि, इतिहासकार और निबंधकार थे। हिंदी साहित्य में उनके अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।इस अवसर पर एम ए हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों में प्रिया सेंगर, प्रतीक जैन, अनामिका गुर्जर, पूनम कुशवाह, स्वार्थी शर्मा, सरिता तोमर, खुशी राजौरिया, श्रुति लक्षाकार, स्वाती शर्मा, शिवानी राठौर एवं देवेश शर्मा ने भी आचार्य शुक्ल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अभिलाषा श्रीवास्तव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दतिया आज दिनांक 4 10 2024 को आबकारी विभाग को मिली बड़ी सफलता 3.18 की अवैध शराब एवं सामग्री कि जप्त

संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

जिले में अवैध शराब पर आबकारी विभाग का कसा शिकंजा अवैध शराब बेचने वाले हो जाएं सावधान नहीं रहेगी खैर ग्राम प्रकाश नगर कंजर डेरा पर दी गई दबिश 60 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 6 ड्रम एक भट्टी मशीन जप्त कर एवं3000 किलोग्राम लहान सैंपल लेकर मौके पर किया नष्ट जप्त कार्यवाही में आबकारी आरक्षक श्री संजय शर्मा एवं रवि सिसारिया एवं सुश्री याशनिका यादव एवं मनीष यादव वाहन चालक अजय गौतम का कार्य रहा सफल

अम्बाह सरोज देवी मेमोरियल अस्पताल में सैकडो की संख्या में निशुल्क शिबिर मे दिल्ली के डाक्टरो से लिया इलाज...

केशब पंडित जी पत्रकार अम्बाह

अम्बाह... सरोज देवी मेमोरियल हॉस्पिटल पोरसा रोड अम्बाह में आज शुक्रवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें गॉव और शहर के बाहर के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में दिल्ली बेदान्ता अस्पताल से आई अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों को मुफ्त परामर्श दिया शिविर में विशेष रूप से हृदय रोग के डा. शाकिर खॉन, प्रसुति एवं स्त्री बिशेषज्ञ राधा गुप्ता मथुरा और हड्डी रोग बिशेषज्ञ डा. शोभित गुप्ता ने मरीजों को मुफ्त परामर्श दिया गया। अम्बाह शहर के जाने पहचाने समाज सेवी डा. नारायण हरी के पास मरीजो का तांता लगा रहा सभी को परामर्श देकर उपचार किया इसके अलावा कार्डियोलॉजी मरीजों के लिए ईसीजी, ईको और सीरम क्रेटनिन, गाइनी मरीजों के लिए पेप स्मीयर और पीडियाट्रिक मरीजों के लिए हिमोग्लोबिन की जांच की भी निःशुल्क व्यवस्था की गयी थी। परामर्श के बाद अधिकांश मरीजों ने मुफ्त में जांच कराया। परामर्श देनेवालों में बेदान्ता दिल्ली की टीम आरती गौतम रजत भाटिया व, गंगा पैथोलॉजी की टीम रही।अस्पताल के निदेशक और हड्डी सर्जन बिशेषज्ञ डॉ. शौभित गुप्ता ने बताया कि यह शिविर सभी के लिए खुला था। हमारी अपेक्षा से आगे मरीजों ने इस शिविर के लिए अपना उत्साह दिखाया। शिविर में पहले से अपनी बीमारी का इलाज करवा रहे लोगों के अलावा पहली बार पहुंचे लोगों को भी समुचित परामर्श दिया गया। डा. राधा गुप्ता ने बताया कि यह शिविर दोपहर 10 बजे से 2 बजे तक 4 घंटे के लिए आयोजित किया गया था। इन चार घंटों के दौरान ही काफी संख्या में लोग पहुंचे और अपनी बीमारी को लेकर डॉक्टरों से परामर्श लिया। इस शिविर के दौरान हमने पाया कि कई लोग जांच में लापरवाही के कारणबीमारी को बढ़ाते चले जाते हैं। यहां मुफ्त जांच के कारण उनकी बीमारी पकड़ में आ गयी।शिविर में हिस्सा लेने पहुंचे लोगों ने फोर्ड हॉस्पिटल की इस पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर से हमें मुफ्त में इतने बड़े अस्पताल में बीमारी दिखाने का मौका मिल गया। शिविर के दौरान यहां के कर्मचारियों ने बहुत ही सहयोगात्मक रवैया दिखाया।

पुलिस विभाग द्वारा चलाया गया अभिमन्यु अभियान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक के मार्गदर्शन में दिनांक 03/10/2024 से 12/10/2024 तक के लिए महिलाओं एवं बच्चों के विरूद्ध होने वाले अपराधों के संबंध में जागरूकता महिलाओ को सुरक्षित एवं पूर्वाग्रह मुक्त सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने में पुरुषों का सहयोग सुनिश्चित करने हेतु शुरू हुए विशेष जागरूकता अभियान मैं हूँ ,अभिमन्यु इस क्रम में आज दिनांक 04/10/2024 को पुलिस लाइन परिसर जिला भिण्ड में नगर पुलिस अधीक्षक अरूण ऊईके, उपपुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा शाखा भिण्ड दीपक तोमर एवं महिला थाना प्रभारी श्रीमती क्रान्ति राजपूत एवं एनसीसी अधिकारी तथा खेल अधिकारी के नेतृत्व में रैली का शुभारम्भ पुलिस लाइन से हाउसिंग कॉलोनी तक किया गया । महिला एवं बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों के प्रति जागरूकता महिला हेल्प नम्बर 1090, डायल 100, चाइल्ड लाइन नं. 1098 आदि का प्रचार प्रसार किया गया। अभिमन्यु अभियान के बारे में जानकारी दी गई।

संपादकीय

आस्था पर राजनीति

सही मायनों में बालाजी तिरुपति लड्डू विवाद प्रसंग में शीर्ष अदालत की वह टिप्पणी देश के सभी राजनेताओं के लिये एक नजीर बननी चाहिए, जिसमें कोर्ट ने कहा कि आस्था को राजनीति से मुक्त रखना चाहिए। हाल के वर्षो में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा आस्था को वोट जुटाने के सरल रास्ते के रूप में इस्तेमाल करने से तमाम तरह की विसंगतियां पैदा हुई हैं। दरअसल, जनाधार बढ़ाने की क्षमताओं से चूकते राजनेता अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने के लिये धार्मिक विश्वासों के दोहन को सफलता का शार्टकट मानकर चल रहे हैं। पिछले दिनों में बालाजी तिरुपति से जुड़े लड्डू विवाद मामले में बिना जांच–पड़ताल के आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जिस तरह पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को लपेटने का प्रयास किया, उसे कोर्ट ने एक अनुचित परंपरा के रूप में देखा है। कहा जा रहा है कि नायडू ने अपना जनाधार बढ़ाने हेतु विपक्षी राजनेता की छवि धूमिल करने का प्रयास इस विवाद के जरिये किया है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि नेतागण कम से कम भगवान को राजनीति से दूर रखें। खासकर संवैधानिक पदों पर विराजमान नेताओं को राजनीतिक लाभ के लिये अनर्गल बयानबाजी से बचना चाहिए। कोर्ट ने इस बात पर भी सख्त नाराजगी जाहिर की कि बिना अंतिम जांच व निष्कर्ष के सार्वजनिक रूप से लड्डू विवाद पर टिप्पणी करना न केवल गैर–जिम्मेदार रवैया था बल्कि लोगों की आस्था से खिलवाड़ भी है। वह भी तब जब इस मामले में जांच चल रही थी। वहीं दूसरी ओर अभी स्पष्ट नहीं है कि राजनीतिक लाभ के लिये जिस चर्बी वाले घी की कथित जांच–परिणामों का दावा किया जा रहा है, उसके बारे में ठीक–ठीक कहना मुश्किल है कि वास्तव में इस घी का ही प्रयोग लड्डू बनाने में किया गया था। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक सार्वजनिक सभा में आरोप लगाया था कि पिछली सरकार के दौरान तिरुपति बालाजी के प्रसाद में पशु चर्बी का इस्तेमाल किया गया। जिसके बाद इस पर राजनीतिक क्षेत्रों व सार्वजनिक जीवन में खासा विवाद पैदा हो गया। बताया जाता है कि इस विवाद के जरिये घी आपूर्ति करने वाली कंपनी तथा ठेकेदार व मंदिर प्रबंधन में पूर्व मुख्यमंत्री के परिजनों की भागीदारी को विवाद में लाने की कोशिश की गई। जिसके जरिये आंध्रप्रदेश की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी का कद छोटा करने की भी कोशिश हुई। रेड्डी ने खुलेआम नायडू पर राजनीतिक लाभ के लिये इस विवाद को तूल देने का आरोप लगाया। यहां तक कि मंदिर में प्रवेश में व्यवधान पैदा करने के मकसद से रेड्डी की धार्मिक आस्था पर भी सवाल खड़े किए गए। उनसे कहा गया कि वे निर्धारित फॉर्म में अपने धर्म का खुलासा करें। कहने को तो यह विवाद दो राजनीतिक दलों की लड़ाई का है मगर इस विवाद ने देश–विदेश में करोड़ों भक्तों की आस्था पर गहरी चोट पहुंचायी है। निस्संदेह, बालाजी तिरुपति मंदिर पर करोड़ों लोगों की गहरी आस्था है, इस विवाद को राजनीतिक लाभ का माध्यम बनाने से श्रद्धालुओं को खासा कष्ट हुआ। यह विडंबना ही है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में लोगों की धार्मिक आस्थाओं को राजनीतिक लाभ के लिये इस्तेमाल करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें कमोबेश सभी राजनीतिक दलों की भूमिका रही है। राजनेता अकसर विभिन्न धार्मिक स्थलों में उपस्थिति का खासा प्रचार राजनीतिक लाभ के लिये करते नजर आते हैं। वे लोगों की आस्था का लाभ अपने निहित स्वार्थों के लिये करते हैं। उन्हें लगता है कि जनाधार बढ़ाने का यह एक छोटा रास्ता है। विडंबना यह भी है कि आस्थावान लोग भी राजनेताओं की अनर्गल बयानबाजी को तर्क की कसौटी पर कस कर देखने से गुरेज करते हैं। यदि लोगों की दृष्टि तार्किक हो तो राजनेता उनकी भावनाओं से खिलवाड़ नहीं कर पाएंगे। सही मायनो में राजनेताओं की धार्मिक मामलों में इस तरह की दखलंदाजी हमारे धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के भी खिलाफ है। जिस ओर देश की शीर्ष अदालत ने भी ध्यान खींचने का प्रयास किया है। जनता की सजगता व तर्कशीलता को बढ़ावा देकर ही ऐसी चुनौतियों का मुकाबला किया जा सकता है।

वृद्धाश्रम सनातन संस्कृति का हिस्सा नहीं

भारत में प्राचीन काल से ही वृद्धजनों को आदर एवं सम्मान की दृष्टि से देखा जाता रहा है। हमारी संस्कृति में बुजुर्गों को ईश्वर के समतुल्य माना गया है और मातृदेवो भवरू पितृदेवो भव की परंपरा सर्वत्र व्याप्त रही है। इसके साथ ही वृद्धजनों की आवश्यकताओं की

पूर्ति एवं समस्याओं का समाधान भारतीय संयुक्त परिवार में होता रहा है। संयुक्त परिवार प्राचीन काल से ही हमारे बड़े–बुजुर्गों का आश्रय स्थल रहे हैं और घर का मुखिया घर का सबसे वयोवृद्ध व्यक्ति ही होता है। समाज में इसका प्रचलन सहस्त्रों वर्षों से चला आ रहा है। परिवार में सभी निर्णय घर के मुखिया द्वारा ही लिए जाते थे तथा परिवार के समस्त कार्य मुखिया की राय मशविरा से ही संपन्न होते थे। संयुक्त परिवारों में परस्पर प्रेम एवं सहयोग की भावना होती थी तथा सभी सदस्य मिलजुलकर रहते थे। परिवार के बाह्य एवं आंतरिक सभी कार्यो में बुजुर्गों के अनुभव को तरजीह दी जाती थी तथा वृद्धावस्था को अनुभव की पूंजी माना जाता था। इसकी ऐतिहासिकता को देखें तो ज्ञात होता है कि परिवार की इस जीवन शैली को भगवान शिव के गृहस्थ जीवन से हम लोगों ने अपनाया है। भगवान शिव का परिवार विरोधी प्रवृत्तियों वाले सदस्यों का परिवार है, जिसमें मानव– दानव, पशु–पक्षी, कीट–पतंग सभी हैं। उनमें यदि सिंह है तो बैल भी हैं, मोर है तो सर्प है, सर्प है तो चूहा है। ये सभी परस्पर विरोधात्मक प्रवृत्तियों वाले होते हुए भी भगवान शिव के तपोबल से प्रभावित होकर एक– दूसरे के प्रति स्नेहभाव रखते हैं। संयुक्त परिवार की यह मूल्यवान परंपरा हमें त्याग और परोपकार की शिक्षा देती है। इस प्रकार संयुक्त परिवारों में बुजुर्गों की स्थिति सम्मानजनक थी। परंतु वर्तमान समय में औद्योगीकरण एवं नगरीकरण के कारण इस देश में संयुक्त परिवार का धीरे–धीरे विघटन हो रहा है तथा उसके स्थान पर एकाकी परिवार का वर्चस्व बढ़ रहा है। इसके साथ व्यक्तिवादी, भौतिकवादी एवं सुखवादी मूल्यों के बढ़ने के कारण वृद्धों की उपेक्षा की जाने लगी है। आज भारत में टूटते परिवारों के परिणामस्वरूप वृद्धाश्रमों की अवधारणा का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है और घर के बड़े–बुजुर्गों को घर के बजाय वृद्धाश्रमों में रहने की आवश्यकता पड़ रही है। आये दिन हम समाचार पत्रों में बच्चों द्वारा माँ–बाप को वृद्धाश्रम में छोड़ने की घटनायें देखते हैं। हमारे आसपास भी ऐसी घटनायें रोज घटित होती हैं। जैसे–जैसे हम विकास की दौड़ में हम आगे निकल रहे हैं, वैसे– वैसे हमारे मूल्यों, संस्कृतियों और परंपराओं में तेजी से बदलाव आ रहे हैं और इस बदलाव के क्रम में हमारे वृद्धजन पीछे छूट रहे हैं। सामाजिक एवं सांस्कृतिक विघटन के कारण युवाओं एवं बुजुर्गों के बीच पीढ़ीगत अंतर (Generatión Gap) बढ़ रहा है। बेटे–बहू का वृद्ध माता–पिता/सास–श्वसुर से वैचारिक मतभेद अधिक बढ़ रहा है। ऐसे में वृद्धजनों में तनाव व असंतोष की दर बढ़ रही है। नवयुवकों में आज के बदलते परिवेश में बुजुर्गों के प्रति उपेक्षा की भावना बढ़ रही है।वृद्धाश्रम की अवधारणा पाश्चात्य संस्कृति की देन है न कि भारतीय। वृद्धाश्रम सनातन संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं और न ही इसकी कल्पना कभी की गई है। हमारे सामाजिक संगठन के मुख्य आधार रहे संयुक्त परिवार ही बड़े–बुजुर्गों के आश्रय स्थल हैं। हमारी भारतीय संस्कृति तो इतनी समृद्धिशाली और गौरवपूर्ण हैं कि यहां बुजुर्गों के जीवित रहने तक तो उनका मान–सम्मान, आदर सत्कार तो रहता ही है साथ ही उनके मरणोपरांत भी हम अपने पितरों का तर्पण और श्राद्ध करते हैं, उन्हें सम्मान देते हैं तथा उनकी पूजा करते हैं। विश्व की अन्य संस्कृतियों में ऐसी पितृ पक्ष की परंपरा नहीं मिलती है। सामान्यतरू वृद्धाश्रम वृद्धजनों के रहने का एक ऐसा वैकल्पिक स्थान है, जहां वे एक साथ मिलकर रह सकें तथा अपने विचारों एवं मनोभावों को एक– दूसरे से साझा कर सके। भारत में वृद्धाश्रम की आधिकारिक परिभाषा की बात करें तो वृद्धाश्रम से तात्पर्य एक ऐसे वैकल्पिक स्थान से है जहां 60 वर्ष एवं 60 से अधिक आयु वर्ग के स्त्री– पुरुष निवास करते हैं तथा जिसकी स्थापना माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत की गई हो। भारत में वृद्धजनों की संस्थागत देखभाल की दिशा में सर्वप्रथम प्रयास 1840 में किया गया, जब बैंग्लोर की फ्रेंड इन नीड सोसायटी ने वृद्धों और निस्सहाय व्यक्तियों के लिए सेवाएं आयोजित की। इसके बाद 1865 में डेविड सैसन आसइलम पूना खोला गया, जहां वृद्धों के लिए भोजन, आवास और कपड़ों की व्यवस्था की गई। लिटिल सिस्टर्स ऑफ कलकत्ता ने 1882 में इस क्षेत्र में कार्य आरंभ किया तथा वृद्धों को आवश्यक जीवन–यापन एवं उपचार के साधन प्रदान किए। इस समय देश के बड़े–बड़े नगरों में वृद्ध एवं अशक्त व्यक्तियों के लिए आश्रम खोले गए हैं जिनमें परिवार सहित अथवा परिवार से दुखी वृद्ध एवं अशक्त व्यक्ति रहते हैं। इसी क्रम में केरल के त्रिशूर में देश का पहला वृद्धाश्रम 1911 में बना था। इसे कोचीन के राजा ने बनवाया था और इसे राजा वर्मा वृद्धाश्रम कहा जाता था। केरल में देश के बाकी हिस्सों की तुलना में बुजुर्गों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। कुल आबादी में बुजुर्गों की संख्या लगभग 14 प्रतिशत है। भारत का सबसे अच्छा वृद्धाश्रम ग्रेस्कलैंड, कोच्चि में ही स्थिति है। ग्रेस्कलैंड फाउंडेशन भारत में एक वरिष्ठ नागरिक घर है, जो केरल के कोच्चि के मुलंथुरुथी में 3.5 एकड़ के खूबसूरत इलाके में अपार्टमेंट एवं विला प्रदान करता है। वृद्धाश्रमों के विषय में 'टेक्निकल ग्रुप ऑन पॉपुलेशन प्रॉजेक्शन फॉर इंडिया रिपोर्ट, 2022' की माने तो वर्तमान समय में देश के लगभग 250 जिलों में 400 से अधिक वृद्धाश्रम संचालित हैं। इनमें सरकारों ने भी तेजी इसलिए दिखाई है, क्योंकि भारत में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वर्तमान समय में देश में बुजुर्गों की कुल जनसंख्या 14 करोड़ के करीब है। भारत में 2016 में लगभग 500 वृद्धाश्रम पंजीकृत थे, जो वर्तमान बढ़कर 778 हो गए हैं, जिनमें सर्वाधिक वृद्धाश्रम केरल राज्य में हैं। इस प्रकार भारत में राज्यवार वृद्धाश्रमों में केरल 182 के साथ प्रथम नंबर पर है, जबकि पश्चिम बंगाल 164 के साथ दूसरे नंबर पर है। इनके बाद तमिलनाडु 151 महाराष्ट्र 133, आंध्र प्रदेश 114, कर्नाटक 91 और गुजरात में 77 वृद्धाश्रम हैं। वृद्धाश्रमों में वृद्धजनों की वास्तविक स्थिति के संबंध में विमला लाल अपनी पुस्तक "वृद्धावस्था का सच" में कहती है कि, घर से बेघर होकर वृद्धाश्रमों तक पहुंचने वाले बेबस वृद्धों के मजबूरी–भरे सफर की यह दास्तान कोई कोई आम कहानी नहीं हैं। कोरी कल्पना या गप भी नहीं, बल्कि आज पाश्चात्य संस्कृति के मारे अपाहिज होते हमारे समाज के कटु यथार्थ को झेलते, कराहते, नित–नित टूटते जीवनों की कड़वी दास्तान है। इस स्थिति का जिम्मेदार कौन है? आज का युवावर्ग? या समय से पीछे छूटते स्वयं वृद्ध? या दोनों? या शायद दोनों में से कोई नहीं–तो फिर कौन? इसका जवाब कोई भी एक शब्द या वाक्य में नहीं दे सकता।दुनिया देख चुके अपने बड़े–बुजुर्गों को दरकिनार कर आजकल के युवा बेटे अपनी नई सोच से अपनी जिंदगी को सँवारना चाहते है। उनकी आजादी में रोक–टोक करने वाले बड़े–बुजुर्ग उन्हें नापसंद है। यही कारण है कि वे उन्हें अपने परिवार में देखना ही पसंद नहीं करते है। युवा पीढ़ी की इस सोच के अनुसार बड़े–बुजुर्गों की जगह घर में नहीं बल्कि वृद्धाश्रमों में है। वहाँ उन्हें उनकी सोच के व हमउम्र लोग मिल जाएँगे, जो उनकी बातों को सुनेंगे और समझेंगे। वहाँ वे खुश रह सकते हैं परंतु ऐसा सोचने वाले युवाओं को क्या पता है कि हर माँ–बाप की खुशी अपने परिवार में और अपने बच्चों में होती है. उनसे दूर रहकर भला वो खुश कैसे रह सकते हैं? वृद्धाश्रम का नाम सुनने में भले ही अच्छा लगे किंतु यहाँ भी जीवन में सन्नाटे पसरा हुआ है। यहाँ हर तरफ सन्नाटा है, उस तूफान के कारण, जो यहाँ रहने वालों की जिंदगी में भूचाल बनकर आया था और उन्हें अपनों से दूर कर गया। यहाँ की सुनसान रातों में भी अपनों से बिछुड़ने के दर्द की सिसकियाँ सुनाई पड़ती हैं। यहाँ के हर हँसते चेहरे की पीछे दर्द में डूबा एक भावुक इंसान छिपा है, जो प्यार का स्पर्श पाने मात्र से ही आँसू के रूप में छलक उठता है। अपनी जिंदगी की हर एक घड़ी में अपनों को याद करने वाले ये बुजुर्ग मां–बाप कोई पराये नहीं बल्कि हमारे अपने हैं, जिन्हें हमने घर से बाहर धकेलकर वृद्धाश्रमों में पटक दिया है। बड़े–बुजुर्ग परिवार की शान होते वो कोई कूड़ा–करकट नहीं हैं, जिसे परिवार से बाहर निकाल फेंका जाए। अपने प्यार से रिश्तों को सींचने वाले इन बुजुगों को भी बच्चों से प्यार व सम्मान चाहिए, अपमान व तिरस्कार नहीं। अपने बच्चों की खातिर अपना जीवन दाँव पर लगा चुके इन बुजुर्ग मां–बाप को अब अपनों के प्यार की जरूरत है। यदि हम इन्हें सम्मान व अपने परिवार में स्थान देंगे तो शायद वृद्धाश्रम की अवधारणा ही इस समाज से समाप्त हो जाएगी। आज देश के तमाम वृद्धाश्रमों में रहने वाले हर उस मां–बाप के चेहरे पर पड़ी इन झुर्रियों में जिंदगी की अलग–अलग पड़ाव की कई कहानियां दर्ज हैं लेकिन ये कहानियां अभी खत्म नहीं हुई हैं, लिखी जा रही हैं, दर्द की, तड़प की, अकेलेपन की, जो गहराती झुर्रियों के साथ और गहराती जा रही हैं। इसी क्रम में वृद्ध मां–बाप की उपर्युक्त अमानवीय और असंवेदनशील स्थिति को देखकर कवयित्री 'मंजू दीक्षित' जी की मशहूर पंक्तियां स्वाभाविक ही ज़हन में आ जाती हैं–

'मंदिरों में जाके दुआ मांगते हैं,
हम तब जाके होता कहीं बच्चे का जन्म,
गर्भ के प्रसव की पीड़ा को सहें,
ममता की कहानी को किससे कहें,
सारे गम ऊँच–नीच सह जाते हैं, बंधनों में बंधकर रह जाते हैं,
क्यूं बंधनों को तोड़ देते हैं,
क्यूं आश्रमों में लाके हमें छोड़ देते हैं,
क्यूं आश्रमों में लाके हमें छोड़ देते हैं।'

ये पंक्तियां शायद वृद्धाश्रमों में रहने वाले उन सभी बूढ़े मां–बाप की राह तकती आंखों की बेबसी को कह रही है कि जिन मांओं की गोद में बच्चों का बचपन बीता और जिस पिता की उंगली पकड़ कर चलना सीखा, दुनिया देखी, आज वही मां–बाप दर– दर की ठोकरें खा रहे हैं। वे वृद्धाश्रमों में रहने को मजबूर हैं तथा ज़िंदगी की हर खुशी से महरूम हैं। इस प्रकार जब एक मां, घर में कभी अकेले अपने बच्चों के बिना नहीं रह पाती तथा अपनी संतान को कभी अपने से अलग नहीं कर पाती है, तो फिर बेटे कैसे बिना मां–बाप के बिना रह सकता है, कैसे बिना मां के वो घर में चौन की रातें सो लेते हैं। ऐसे कई सवाल हैं जो आज सभी मां–बाप की जुबां और जेहन में हैं और जिन्हें कहने को वो कई अरसे से इंतजार कर रहे हैं। आज सवाल पूरे समाज से है है कि मातृ देवो भवरू, पितृ देवो भवरू वाली परंपरा में मां–बाप वृद्धाश्रमों में रहने को मजबूर क्यों है? वृद्धाश्रम में इस बोझ बनती ज़िन्दगी से आखिर मुक्ति कब मिलेगी, वृद्धाश्रम रूपी बंद पिंजरे से आजादी कब मिलेगी। किसी अपने की राह तकती इन बूढ़ी आंखों का इंतजार कब खत्म होगा? आज हजारों मां– बाप वृद्धाश्रम में अपनों के आने की राह तक रहे हैं कि काश उनका अपना बच्चा उन्हे इस बंद पिंजरे से आजाद कराके घर ले जाएगा. कितनी मांएं और पिता इस इंतज़ार में दम तोड़ चुके हैं और कितनों की आंखें इंतज़ार में पथरा गयी हैं. आखिर क्यूं इनके अपने यहां पल– पल मरने को छोड़ जाते हैं, क्यूं अपने ही मां–बाप इन्हें बोझ लगने लगते है. क्या घर का इक कोना इनके लिए सुरक्षित नहीं किया जा सकता है। आज विश्व वृद्ध दिवस के अवसर पर सवाल उन सभी बेटों और सभ्य समाज के लोगों पर भी खड़ा होता कि सारी उम्र की सेवा लेने के बाद आज बुढ़ापे की बैसाखी में सहारा बनने के बजाय इन्हें बेघर क्यूं कर दिया गया। जिस घर को अपने हाथों से सजाया था, अपनेपन, विश्वास और कभी न बिखरने वाले रिश्तों की नींव रखी थी. अपने खून पसीने की सारी दौलत उसमें लगा दी थी वो घर आज आखिर उनके लिए क्यूं बेगाना हो गया? क्यूं वे वृद्धाश्रमों में रहने को मजबूर हो गए, क्यूं वो दौलत की पाई– पाई के लिए मोहताज हो गये हैं और इस सभ्य समाज के लोगों ने आखिर आज तक इस मुद्दे पर कोई सवाल क्यों नहीं उठाया। आज जिंदगी के इस अंतिम सफर में वो हर मां–बाप अकेले हो गये हैं, जो वृद्धाश्रम में किसी अपने के आने की राह तक रहें हैं, उनके इंतज़ार के आंसू सैलाब बन रहे हैं। काश इन आंसुओं की धार उन बेरहम औलादों तक पहुंचे. कहीं ऐसा ना हो कि इन आंसुओं के सैलाब में ये सारी कायनात बह ना जाए।

डॉ. श्याम सिंह
अतिथि प्राध्यापक, वर्धा समाज कार्य संस्थान
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, प्रयागराज केंद्र

विश्व के वित्तीय एवं निवेश संस्थान भारत के आर्थिक विकास के अनुमानों को बढ़ा रहे हैं

प्रह्लाद सबनानी

आज जब विश्व में कई विकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही है, वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। कई विदेशी एवं निवेश संस्थान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के सम्बंध में पूर्व में दिए गए अपने अनुमानों में संशोधन कर रहे हैं कि आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति और अधिक तेज होगी। विशेष रूप से कोरोना महामारी के पश्चात भारत ने आर्थिक विकास के क्षेत्र में तेज रफ्तार पकड़ ली है। भारत में आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रमों को लागू किया गया है। स्टैंडर्ड एवं पूअर (एसएंडपी) नामक विश्व विख्यात क्रेडिट रेटिंग संस्थान ने हाल ही में अपने एक प्रतिवेदन में बताया है कि भारत, केलेंडर वर्ष 2024 में एवं इसके बाद के वर्षो में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर के साथ वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बडी अर्थव्यवस्था बन जाएगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान वर्तमान के 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगा। साथ ही, भारत में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर उच्च मध्यम आय समूह की श्रेणी की हो जाएगी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी वर्तमान के 3.92 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। हालांकि एसएंडपी ने भारत में आर्थिक विकास दर के 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष बढ़ने का अनुमान लगाया है जबकि वित्तीय वर्ष 2023–24 में भारत की आर्थिक विकास दर के 7.3 प्रतिशत के अनुमान के विरुद्ध 8.2 प्रतिशत की रही है। भारत में अब सरकारी क्षेत्र के साथ ही निजी क्षेत्र भी पूंजीगत खर्चो को बढ़ाने पर ध्यान देता हुआ दिखाई दे रहा है, इससे आगे आने वाले समय में केंद्र सरकार पर पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने सम्बंधी दबाव कम होगा और केंद्र सरकार का बजटीय घाटा और अधिक तेजी से कम होगा, जिससे अंततः विदेशी निवेशक भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित होंगे। इसी प्रकार, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 में भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी अपने अनुमानों के बढ़ाया है। विश्व बैंक का तो यह भी कहना है कि भारत ने केलेंडर वर्ष 2023 में विश्व के वार्षिक आर्थिक विकास में 16 प्रतिशत का योगदान दिया है और इस प्रकार भारत अब विश्व में आर्थिक विकास के इंजिन के रूप में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वर्ष 2023 में 7.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी, जो विश्व की अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा इसी अवधि में हासिल की गई विकास दर से दुगुनी थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की आर्थिक विकास दर के वर्ष 2024 के अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत की विकास दर को बढ़ा कर 7 प्रतिशत कर दिया है। ओईसीडी देशों के समूह ने भी वर्ष 2024 एवं 2025 में वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रगति के अनुमान जारी किए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वर्ष 2024 एवं 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जा सकेगी। वहीं भारत की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 के 6.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 6.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। चीन की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 में 4.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 4.5 रहने की सम्भावना है। इसी प्रकार रूस एवं अमेरिका की आर्थिक विकास दर भी वर्ष 2024 में क्रमशः 3.7 प्रतिशत एवं 2.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में क्रमशः 1.1 प्रतिशत एवं 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। कुल मिलाकर आज विश्व के लगभग समस्त वित्तीय एवं निवेश संस्थान आगे आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक विकास दर के बढ़ने के अनुमान लगा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थानों द्वारा भारत के आर्थिक विकास दर के सम्बंध में लगाए जा रहे अनुमानों के अनुसार यदि भारत आगे आने वाले वर्षों में प्रतिवर्ष 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करता है तो भारत वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके ठीक विपरीत भारत ने वित्तीय वर्ष 2023–24 में 8.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार भारत वित्तीय वर्ष 2024–25 में 7 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर हासिल करेगा, इस प्रकार तो भारत वर्ष 2031 के पूर्व ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दूसरे, विश्व में भारत से आगे जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाएं हैं, आज इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कई प्रकार की समस्याएं दिखाई दे रही हैं जिनके चलते इन देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले कुछ वर्षों में शून्य रहने की सम्भावना दिखाई दे रही है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है कि भारत मार्च 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा एवं मार्च 2026 अथवा मार्च 2027 तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए वर्ष 2031 तक इंतजार ही नहीं करना पड़ेगा। विश्व बैंक द्वारा जारी वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने भी वित्तीय वर्ष 2025 में भारत को विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के संकेत दिए हैं। पिछले तीन वर्षो में पहली बार वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 में स्थिर होने के संकेत दे रही है। वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के वर्ष 2024–25 में 2.6 प्रतिशत एवं वर्ष 2025–26 में 2.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना विश्व बैंक द्वारा की गई है। इसी प्रकार, मुद्रा स्फीति में भी धीरे धीरे कमी आने के संकेत मिल रहे हैं एवं यह वैश्विक स्तर पर औसतन 3.5 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। मुद्रास्फीति उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कम करती है एवं उनके व्यय करने की क्षमता को भी हत्तोत्साहित करती है। कई देशों को मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ता है। उच्च ब्याज दरें मुद्रास्फीति को नियंत्रित तो करती हैं परंतु आर्थिक प्रगति को धीमा भी कर देती है जिससे रोजगार के अवसरों में कमी भी दृष्टिगोचर होती है। उक्त वर्णित वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 के अनुसार दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत ने क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों के योगदान से वित्तीय वर्ष 2023–24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की अतुलनीय आर्थिक विकास दर हासिल की है, यह आर्थिक विकास दर देश में मानसून व्यवधानों के कारण कृषि क्षेत्र के उत्पादन वृद्धि में आई कमी के बावजूद हासिल की गई है। साथ ही, भारत में व्यापक कर आधार से राजस्व में वृद्धि के चलते सकल घरेलू उत्पाद के सापेक्ष राजकोषीय घाटे में कमी हासिल की जा सकी है। विशेष रूप से भारत में व्यापार घाटा भी कम होता दिखाई दे रहा है, जिससे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में समग्र आर्थिक स्थिरता लाने में योगदान मिला है। जलवायु परिवर्तन के कारण भी विश्व के कई देशों में बाढ़, सूखा एवं तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता और प्रबलता बढ़ती दिखाई दे रही है। इस तरह की आपदाएं बुनियादी ढांचे, निवास स्थानों एवं व्यवसाओं को व्यापक क्षति पहुंचा रही हैं। साथ ही, यह कृषि उत्पादन को भी बाधित कर रही है, जिससे खाद्यान के उत्पादन में कमी एवं इनकी कीमतों में वृद्धि होती दिखाई दे रही है। इससे सरकारी वित्त व्यवस्था पर भी अतिरिक्त भार पड़ रहा है। विश्व बैंक की आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में तार्किक आशावादी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता के संकेत जरूर दिए हैं परंतु कोविड महामारी से पहले के विकास के स्तरों की तुलना में वैश्विक स्तर पर विकास अभी भी धीमा बना हुआ है। वैश्विक स्तर पर मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए सभी देशों को मिलकर प्रभावी उपाय करने होंगे।

कलेक्टर ने इंडस्ट्रियल कॉनक्लेव की तैयारियों का जायजा लिया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले में कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में 23 अक्टूबर को रीजनल इंडस्ट्रियल कॉनक्लेव का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश के औद्योगिक विकास के प्रयासों को निवेश के लिए संभाग स्तर तक ले जाने के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रयासों से रीजनल इंडस्ट्रियल कॉनक्लेव को नया आयाम मिला है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अधिकारियों के साथ कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम का भ्रमण करके कॉनक्लेव की तैयारियों का जायजा लिया।कलेक्टर ने कहा कि औद्योगिक विकास केन्द्र के अधिकारी कॉनक्लेव की सभी गतिविधियों और उनके लिए निर्धारित स्थलों का पूरा प्लान बनाएं। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए बहुत कम समय बचा है। हर कार्य को 18 अक्टूबर तक पूरा कराने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम निर्धारित कर दें। रीजनल इंडस्ट्रियल कॉनक्लेव की व्यवस्थाओं में सहयोग देने वाले विभिन्न एजेंसियों तथा वेंडरों से संपर्क करके व्यवस्थाओं को समय पर पूरा कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने वाहनों की पार्किंग, मीडिया सेंटर, भोजन व्यवस्था, मुख्य समारोह, परिसर की साज-सज्जा, सुरक्षा व्यवस्था एवं साफ-सफाई व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, कार्यकारी निदेशक एमपीआईडीसी यूके तिवारी, कार्यपालन यंत्री हाउसिंग बोर्ड अनुज प्रताप सिंह, अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल बीके शुक्ला, केके गर्ग, हिमांशु वर्मा, आकाश शुक्ला उपस्थित रहे।

सभी समुदाय की नई पीढ़ी को परंपरा से जोड़ने 10वे वर्ष ब्राह्मण युवाओं द्वारा तर्पण का नि-शुल्क आयोजन किया गया

नागदा- पितृपर्व महालय सोलह श्राद्ध सर्वपितृ अमावस्या के पावन अवसर पर प्रतिवर्षानुसार औदीच्य युवाओं द्वारा आयोजित धर्मालुओं के लिए सामूहिक तर्पण व पितृकर्म का आयोजन बल हनुमान मंदिर पर सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक निलेश मेहता ने नगरवासियों को सनातन संस्कारों से जोड़ने एवं युवा पीढ़ी को धार्मिक परंपराओं के ज्ञान के लिए स्थानीय स्तर पर निःशुल्क कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। कर्मकांड विद पंडित अजय पंड्या एवं पंडित दीपक पंड्या द्वारा वैदिक रीति अनुसार पित्रेश्वर भगवान की पूजन करवा कर पितृ तर्पण देव तर्पण संपन्न कराया गया। आयोजन में आगंतुक धर्मालुओं को पूजन सामग्री निशुल्क उपलब्ध कराई गई। साथ ही आयोजन के समापन पर दिलीप पोरवाल जी सत्तू पोरवालजी के सहयोग से सभी आगंतुकों को खिचडी एवं फलाहार दिया गया। कई लोग पितृकर्म करना चाहते है, लेकिन समयाभाव व धनाभाव में तीर्थ स्थल पर नही जा पाते। आमजन की सुविधा हेतु यह आयोजन लगातार 9 वर्षों से किया जा रहा है, जिसकी सराहना सम्मिलित होने वाले लोगो ने की। कार्यक्रम शनिवार को प्रातः 8.30 बजे प्रारम्भ होकर 11 बजे सम्पन्न हुआ। कर्मकांड विद आचार्य द्वारा विधि पूर्वक मंत्रोच्चारण के साथ पित्र पूजन व कुटुम्ब की 71 पीढियो की आत्मशांति हेतु श्राद्ध व तर्पण कराया, इसके बाद सभी ने पित्र देव की आरती के बाद चंबल नदी तट पहुंचकर पिंड विसर्जन किये । उत्साहपूर्वक बड़ी संख्या में नागदा, खाचरोद, इंदौर व आसपास से महिला, पुरुष ने सपरिवार सम्मिलित होकर तर्पण पिंड दान किया। इस तरह के धार्मिक आयोजन हेतु नदी किनारे स्थायी घाट या निश्चित स्थान के अभाव में परंपरा निर्वहन में असुविधा का सामना करना पड़ता है। कार्यक्रम के सहभागी बने सभी आगंतुकों एवं सहयोगियों का आभार सर्वब्राह्मण समाज युवा विंग अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक निलेश मेहता ने माना। सहस्त्र औदीच्य ब्राह्मण समाज अध्यक्ष सिद्धनाथ पाठक, सुमित दवे, पंडित दिव्यांश पण्ड्या, अनिल पोरवाल, राजेश पाल, मुकुंद मेहता आदि मौजूद रहे। जानकारी कार्यक्रम संयोजक निलेश मेहता ने दी।

परीक्षा परिणाम जिले के औसत से कम है तो रूकेगा अधीक्षक का वेतन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने छात्रावासों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधीक्षक छात्रावासों में अनिवार्य रूप से रहें। छात्रावास में विद्यार्थियों के आवास, भोजन, साफ-सफाई तथा पठन-पाठन की अच्छी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों को यदि किसी तरह की कठिनाई है तो उसे तत्काल दूर करें अथवा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराएं। छात्रावास में विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा को बेहतर करने का अनुकूल वातावरण मिलता है। छात्रावास को विद्यार्थियों की शिक्षा और समग्र विकास का केन्द्र बनाएं।बैठक में कलेक्टर ने कहा कि कई छात्रावासों के बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम संतोषजनक नहीं हैं। अधीक्षक विद्यार्थियों के पठन-पाठन पर विशेष ध्यान दें। जिन छात्रावासों के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम जिले के औसत परिणाम से कम है उन्हें जिला संयोजक कारण बताओ नोटिस दें। परीक्षा परिणाम संतोषजनक न होने पर अधीक्षकों की वेतनवृद्धि रूकेगी। शिक्षा विभाग के कई शिक्षक भी छात्रावास अधीक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं। छात्रावास की व्यवस्थाओं में कमी मिली तो उन्हें मूल पद पर वापस भेजा जाएगा। जिला संयोजक छात्रावासों में सुधार और विद्युतीकरण के कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग अथवा अन्य शासकीय विभाग को राशि आवंटित कर कार्य कराएं। निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी अधीक्षक को न दें। कलेक्टर ने कहा कि जिन छात्रावासों में अभी भी सीटें खाली हैं उनके अधीक्षक विशेष प्रयास करके 21 अक्टूबर तक विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत प्रवेश कराएं। इसमें किसी भी तरह की कठिनाई आने पर अवगत कराएं। सीएम राइज पीके स्कूल के प्राचार्य 9 और 10 अक्टूबर को अपने स्कूल में शिविर लगाकर विभिन्न छात्रावासों में प्रवेश के लिए इच्छुक छात्राओं के आवेदन पत्र दर्ज कराएं। इनका सत्यापन करके छात्रावासों में प्रवेश सुनिश्चित करें। बैठक में संयुक्त कलेक्टर तथा प्रभारी जिला संयोजक पीके पाण्डेय ने बताया कि सभी अधीक्षकों को छात्रावास में निवास तथा परिसर में बोरवेल खुला न होने का प्रमाण पत्र दो दिवस में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता, डीपीसी एलआर दीपांकर तथा सभी अधीक्षक उपस्थित रहे।

मऊगंज कलेक्टर की अभिनव पहल - निराश्रित गौवंश को मिलेगा ठिकाना,मऊगंज में गौवंश को गोद लेने के लिए कलेक्टर की गौशाला का हुआ शुभारंभ

गौ संरक्षण करने वालों को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तथा विधायक मनगवां ने दिए प्रमाण पत्र

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। मऊगंज जिले के हर गांव में बड़ी संख्या में गौवंशीय पशु हैं। खेती के यंत्रीकरण के कारण इनकी कृषि में उपयोगिता पहले की तुलना में कम हो गई है जिसके कारण बड़ी संख्या में गौवंश निराश्रित हैं। बारिश के मौसम में हाईवे सहित सभी प्रमुख सड़कों पर बड़ी संख्या में गौवंश रह रहे हैं। इन निराश्रित गौवंशों से फसलों को भी नुकसान हो रहा है। सड़कों में गौवंश वाहनों की आवाजाही में बाधा बनने के साथ कई बार दुर्घटना का कारण बनते हैं। सड़क दुर्घटनाओं में गौवंश की मौत होने के साथ-साथ जन धन की भी हानि होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए मऊगंज जिले के कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने अभिनव पहल की है। कलेक्टर ने रेस्टहाउस में बनाए गए अपने अस्थाई निवास में निराश्रित गौवंश को रखने की व्यवस्था की है। इसे कलेक्टर की गौशाला योजना का नाम दिया गया है। इस गौशाला से कोई भी व्यक्ति स्वेच्छा से गौ सेवा के भाव और संकल्प के साथ गाय ले जाकर उसकी सेवा कर सकता है। इस तरह गाय को गोद लेने वाले व्यक्तियों को कलेक्टर प्रमाण पत्र दे रहे हैं। कलेक्टर की गौशाला के अलावा भी निराश्रित गौवंश को गोद लेने वालों को यह प्रमाण पत्र दिया जा रहा है।

कलेक्टर की गौशाला योजना का मऊगंज के रेस्टहाउस में आयोजित समारोह में शुभारंभ किया गया है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तथा विधायक देवतालाब श्री गिरीश गौतम एवं विधायक मनगवां श्री नरेन्द्र प्रजापति ने संतों की पूजा-अर्चना, गायों की पूजा एवं दीप प्रज्ज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वेच्छा से गौ सेवा के लिए गाय ले जाने वाले व्यक्तियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर विधायक श्री गौतम ने कहा कि प्राचीन काल से गौ सेवा हमारे आर्थिक और सामाजिक विकास का आधार रही है। सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से भी गाय का बहुत महत्व है। गौ माता में सभी देवताओं का वास माना जाता है। गौ माता से प्राप्त दूध ही नहीं गौमूत्र और गोबर ही अत्यंत उपयोगी हैं। हर व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार निराश्रित गौवंश को घर ले जाकर उनकी सेवा करे। कलेक्टर की गौशाला कार्यक्रम केवल गौ माता के संरक्षण का प्रयास नहीं है बल्कि उसमें माता का जो भाव है उसे जागरूक करने का प्रयास है। मऊगंज गौवंश गोद में लेने वाला देश का पहला जिला बना है। गौसेवा के इस संकल्प को पूरा करने में सभी सहयोग दें। इस अवसर पर विधायक मनगवां ने कहा कि कलेक्टर मऊगंज ने निराश्रित गायों को सुरक्षित करने के लिए बहुत सराहनीय पहल की है। हर व्यक्ति स्वेच्छा से निराश्रित गायों की सेवा में सहयोग करे। हम दो-दो गौवंश भी अपने घर रखकर सेवा करेंगे तो हर निराश्रित गाय को आश्रय मिल जाएगा। कलेक्टर मऊगंज ने जो भगीरथ प्रयास शुरू किया है उसके परिणाम दूरगामी होंगे। गौ माता का दूध बहुत गुणकारी और उपयोगी है। इसलिए हम सबको गौपालन करना चाहिए।

कार्यक्रम में कलेक्टर ने गौवंश को गोद लेने के अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर की गौशाला में रहने वाली गायों तथा गोद लेने वाली गायों की पशु चिकित्सा विभाग से टैगिंग कराई जाएगी। प्रत्येक गौवंश का पूरा विवरण रखा जाएगा। इस अभिनव प्रयास के साथ-साथ नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों के सहयोग से भी निराश्रित गौवंश को गौशालाओं में व्यवस्थित किया जाएगा। कलेक्टर की गौशाला में आने वाले गौवंश को भी एक निश्चित समय के बाद गौशालाओं में भेजा जाएगा। अभियान के प्रथम चरण में मऊगंज शहर से 10 किलोमीटर की परिधि में विचरण कर रहे निराश्रित गौवंश को आश्रय देने का प्रयास किया जा रहा है। सामाजिक संगठन, धार्मिक संगठन तथा आमजनता भी गौ सेवा के इस अभियान में भागीदारी निभाकर गौवंश को सुरक्षित रखने में योगदान दे। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र मिश्रा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती नीलम सिंह, रेडक्रास समिति के अध्यक्ष प्रदीप सिंह, श्री केशव पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक रसना ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुराग पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर बीके पाण्डेय, एसडीएम हनुमना कमलेश पुरी, अन्य अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने चार करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले पुल का किया भूमिपूजन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा का चौतरफा विकास हमारी प्राथमिकता है। सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण के साथ ही रेलमार्ग तथा हवाईमार्ग से रीवा जिले को अन्य शहरों से जोड़ने के कार्य किये जा रहे हैं। रीवा-व्यौहारी मार्ग में नहर में इस पुल के बनने से सड़क का घुमाव समाप्त हो जाएगा तथा होने वाली दुर्घटना की संभावनाएं भी पूरी तरह खत्म हो जाएंगी।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चार करोड़ रुपए की लागत से अमिलकी में नहर पर बनने वाले लघु पुल का भूमि पूजन किया तथा आज से ही कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा से शहडोल मार्ग के उन्नतीकरण कार्य में इस पुल का निर्माण शामिल नहीं था। इसकी अतिरिक्त स्वीकृति देकर कार्य प्रारंभ कराया जा रहा है, जो दिसंबर माह तक पूरा हो जाएगा। कार्यक्रम में ग्राम वासियों ने समवेत स्वर में पुल के निर्माण की जरूरत बताई तथा उप मुख्यमंत्री जी को इसकी स्वीकृति दिलाकर कार्य प्रारंभ करने के लिए साधुवाद दिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा-शहडोल मार्ग की छुहिया घाटी में सड़क मार्ग में सुरंग बनाने का डीपीआर तैयार किया जा रहा है। शीघ्र ही सांसद रीवा व विधायक गुढ़ के साथ जाकर केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी जी से स्वीकृति दिलाए जाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि रीवा जिले में आर्थिक क्रांति आने से संपन्नता आई है और हमारा जिला प्रदेश व देश की समृद्धि में अपना योगदान देगा।कार्यक्रम में विधायक गुढ़ श्री नागेंद्र सिंह ने कहा कि काफी दिनों से चली आ रही पुल

निर्माण की मांग आज पूरी हो रही है, जिसमें उप मुख्यमंत्री जी का ही प्रयास है। इस पुल के बनने से सड़क का घुमाव समाप्त होगा और सीधी सड़क हो जाने से दुर्घटनाएं भी नहीं होंगी। रीवा से शहडोल मार्ग का चौड़ीकरण भी श्री शुक्ल के प्रयासों से बिछिया रीवा तक हो रहा है। उन्होंने कहा कि रीवा का कायाकल्प उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के मार्गदर्शन में हो रहा है। गत रात्रि रीवा को अटल पार्क के तौर पर बड़ी सौगात मिली है जिससे रीवा वासियों का महानगर की तर्ज पर बड़े पार्क का सपना पूरा हुआ। पार्क में बड़े, बूढ़े, महिलाएं और युवा सभी सुरक्षित रूप से खुले में सांस ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि पार्क के शुभारंभ अवसर पर विश्व प्रसिद्ध पार्श्व गायक कैलाश खेर जी की प्रस्तुति भी रीवा वासियों के मानस पटल पर चिरकाल तक अंकित रहेगी।इससे पूर्व संभागीय प्रबंधक मध्य प्रदेश सड़क विकास अवधेश स्वर्णकार ने तकनीकी प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि चार करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला 30 मीटर लंबा व 12 मीटर चौड़ा पुल दिसंबर माह तक पूर्ण कर लिया जाएगा इसके बनने से सड़क का घुमाव खत्म होगा और यातायात सुगम होगा। कार्यक्रम में सरपंच आमिलकी बबिता मिश्रा, बृजेंद्र मिश्रा, अटलमुनि, पंकज बागरी, विनोद तन्मय के के गर्ग सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने गोपद नदी में नव निर्मित पुल का किया शुभारंभ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ला द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कर सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर गोपद नदी में नवनिर्मित 2 लेन पुल का शुभारंभ किया गया। इस दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह भी उपस्थित रहीं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग-39 इस क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। गोपद नदी में पुल के शुभारंभ से आवागमन सुगम होगा, लोगो के समय की बचत होगी तथा आर्थिक गतिविधियों को बड़ावा मिलेगा। विन्ध्य क्षेत्र के जिले आर्थिक क्षेत्र में गहरा जुड़ाव रखते हैं तथा एक-दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करते हैं। सिंगरौली से प्रचुर मात्रा में फ्लाई ऐश का परिवहन रीवा तथा सतना की सीमेंट फैक्ट्री में होता है। इस पुल के निर्माण के पूर्व कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, अब आर्थिक विकास को गति मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में रोड एवं रेल कनेक्टिविटी सुदृढ़ होने से आर्थिक गतिविधियों को बड़ावा मिलता है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री जी तथा मुख्यमंत्री जी द्वारा सभी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बड़ाने के दिशा में कार्य किया जा रहा है। सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग-39 के 4 लेन का निर्माण कार्य प्राथमिकता पर पूर्ण कराया जाएगा जिसका लोकार्पण मुख्यमंत्री जी द्वारा किया जायेगा। इसके साथ ही रीवा-सीधी के बीच 4 लेन कार्य का भूमिपूजन भी किया जाएगा जिससे झांसी से रांची तक निर्बाध 4-लेन कनेक्टिविटी होगी जो क्षेत्र के विकास में सहायक होगी। उन्होने कहा कि रीवा-सीधी-सिंगरौली रेलवे लाइन की भी नियमित समीक्षा की जा रही है। इसके निर्माण कार्य में भी शीघ्र गति आएगी। माह जून 2025 तक सीधी तक रेल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित है और कार्य योजना अनुसार कार्यवाही की जा रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विंध्य क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। विन्ध्य क्षेत्र प्राकृतिक रूप से समृद्ध है तथा यहां प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में 23 अक्टूबर को रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव आयोजित किया जाएगा जिसमें देश के कई प्रमुख कंपनियों द्वारा सहभागिता की जावेगी जिससे विन्ध्य क्षेत्र में औद्योगिक क्रांति होगी तथा विकास को गति मिलेगी।सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि उप मुख्यमंत्री जी द्वारा सतत निगरानी से क्षेत्रवासियों को यह सौगात मिली है। इससे सीधी और सिंगरौली के बीच आवागमन सुगम होगा। उन्होने कहा कि सीधी-सिंगरौली के बीच 4 लेन निर्माण का कार्य वर्ष भर के भीतर पूर्ण कराने का प्रयास करेंगे। सांसद ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए वह पूरी ऊर्जा के साथ प्रयास करते रहेंगे। विधायक सिहावल श्री विश्वामित्र पाठक ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए यह मार्ग जीवन रेखा है। उप मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में पुल निर्माण का कार्य पूर्ण हो सका है। उन्होने कहा कि शेष निर्माण कार्य में भी गति लाई जाए जिससे यह क्षेत्र आर्थिक क्षेत्र में नई उपलब्धियां प्राप्त कर सकेगा। इस अवसर पर विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक, विधायक सिंगरौली श्री रामनिवास शाह, विधायक देवसर श्री राजेंद्र मेश्राम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, नगर निगम सिंगरौली के अध्यक्ष श्री देवेश पाण्डेय, जनपद पंचायत अध्यक्ष देवसर श्री प्रणव पाठक, पूर्व विधायक श्री अमर सिंह पूर्व विधायक श्री सुभाष वर्मा, गणमान्य नागरिक देव कुमार सिंह चैहान, राम सुमिरन गुप्ता सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कलेक्टर सीधी श्री स्वरोचिष सोमवंशी, कलेक्टर सिंगरौली श्री चंद्रशेखर शुक्ला, पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ रविन्द्र वर्मा, सिंगरौली श्रीमती निवेदिता गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी सिहावल श्री एसपी मिश्रा, देवसर श्री ए के सिंह सहित प्रशासनिक तथा एमपीआरडीसी के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

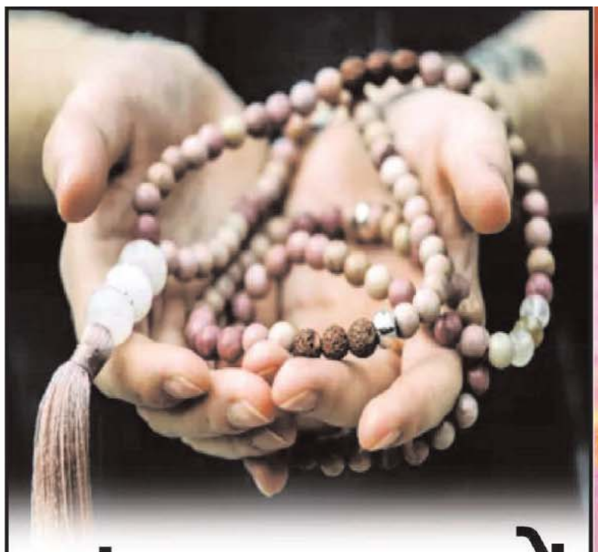

मंत्र काम क्यों नहीं करते हैं

आपने अक्सर सत्संग में सुना होगा, रामायण, महाभारत या वेदों आदि में पढ़ा होगा कि प्राचीन काल में तपस्वी लोग मंत्रों की शक्ति से जो चाहे हासिल कर लेते थे। वे जिस चीज का आह्वान करते थे, उसे तुरंत पा लेते थे। आज भी आप जब शारीरिक या आर्थिक रूप से परेशान होते हैं, और किसी ज्योतिषी के पास जाते हैं, तो वह क्या करता है। जन्म पत्रिका देखने के बाद पीड़ित ग्रह की शांति के लिए कुछ उपाय बता देता है और कुछ मंत्रों का जाप करने के लिए कहता है। ऐसे में कई बार लोग सवाल करते हैं कि उन्होंने मंत्रों का जाप तो किया, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली। आखिर ऐसा क्यों होता है कि जो मंत्र प्राचीन काल में सिद्ध थे, उनका प्रभाव आज कम दिखता है या नहीं दिखता है। मंत्रों की शक्ति प्रभावी क्यों नहीं होती है। आज हम आपको इसका सबसे बड़ा राज बताने जा रहे हैं कि मंत्रों की शक्ति आखिर काम कैसे करती है। दरअसल, आज लोग मंत्रों को जाप करते समय सिर्फ मुंह से बोलते रहते हैं। उसमें उनका मन और आत्मा नहीं शामिल होती है। मंत्र पढ़ते या जपते समय आधा ध्यान घर के काम में लगा होता है और कई बार तो लोग मंत्रों का जाप करते हुए घर की साफ सफाई भी कर देते हैं, गाड़ी भी चला लेते हैं। उन्हें लगता है कि पंडित ने जपने के लिए कहा था और यह किसी काम को करते हुए भी तो किया जा सकता है।

मगर, यह गलत तरीका है। मान लीजिए आपके घर में अंधेरा है और आप जीरो वॉट का बल्ब लगाते हैं, तो कितनी रोशनी मिलेगी? फिर आप कहेंगे बल्ब तो जला दिया है, लेकिन रोशनी तो आ ही नहीं रही है। यही तो आप मंत्रों को जपते हुए कर रहे हैं। जीरो वॉट के बल्ब की तरह सिर्फ मुंह से मंत्र का उच्चारण करते जा रहे हैं। खुद ही सोचिए क्या वह फलीभूत होंगे। दूसरा तरीका है, मन से जाप करने का। एक जगह ध्यान लगाकर बैठ जाएं। आपको विचलित करने वाली कोई चीज मोबाइल, किसी तरह का शोर नहीं हो। मंत्र को पूरे मनोयोग से ध्यान केंद्रित करते हुए जपें। जब मन की शक्ति शामिल होगी, तो यह 10 वाट के बल्ब की तरह रोशनी देगी। आपको इसका फायदा होता दिखेगा।

तीसरा तरीका है आत्मा से मंत्रों का जप करना। यह 100 वॉट का बल्ब है, जो पूरे कमरे को रोशनी से भर देगा। क्योंकि इसमें आपका शरीर यानी मुंह से मंत्रों का उच्चारण हो रहा होगा, मन यानी ध्यान में भी आपके मंत्र होंगे और आत्मा यानी आपके शरीर के सातों चक्र, रोम-रोम उसका उच्चारण कर रहा होगा, जैसे प्राचीन काल में लोग करते थे। अब बताइए 100 वॉट का बल्ब जलेगा, तो क्या मंत्रों की शक्ति आपके जीवन के अंधकार को दूर नहीं कर देगी।

मंत्र तो वही थे, वही रहेंगे, लेकिन उन्हें जपने और सिद्ध करने में आप कितनी ऊर्जा लगाते हैं। इससे तय होता है कि आपको उसका फायदा कितना मिल रहा है। पहले तरीके से मंत्र जपने से तो बेहतर है कि आप न ही करें क्योंकि इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा। यह बिल्कुल टेप रिकॉर्डर की तरह है, जिसमें आपके मन ने मंत्र बोलने की फीडिंग कर ली है और जैसे आप बाइक या कार चलाते हुए ध्यान नहीं देते हैं और कार चलती रहती है, वैसे ही मंत्रों की शक्ति को बढ़ाते नहीं है। दिमाग की प्रोग्रामिक के चलते मंत्र मुंह से निकलते रहते हैं।

इस कुंड के सामने ताली बजाने पर निकलता है पानी

आपने बहुत से जल कुंड के रहस्यों के बारे में सुना होगा। किसी कुंड के जल से रोग ठीक हो जाते हैं, तो किसी कुंड का जल भविष्य में होने वाली आपदाओं का संकेत देता है। भारत में ऐसे बहुत सारे जल कुंड हैं, जिनके रहस्य आज भी अनसुलझे हैं। ऐसा ही एक रहस्मय कुंड झारखंड के बोकारो जिले में स्थित है। इस कुंड को दलाही कुंड के नाम से जाना जाता है। इसकी सबसे खास बात ये है कि अगर आप इस कुंड के सामने आप ताली बजाएंगे तो पानी अपने आप ही निकल आएगा। इस कुंड में पानी इतनी तेजी से निकलता है कि जिसे देखकर लगता है कि जैसे पानी उबल रहा हो। इसकी एक और खासियत है यहां सर्दी में गर्म और गर्मी में ठंडा पानी निकलता है। बोकारो से 27 किलोमीटर दूर इस अनोखे कुंड में नहाने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। इस कुंड पर कई वैज्ञानिकों ने शोध किया कि आखिर यहां पानी आता कहां से है, मगर उन्हें कोई सफलता नहीं मिली।

पूरी होती है मन्नत

लोगों का मानना है कि कुंड के सामने जो भी मन्नत मांगी जाती है, वह पूरी होती है। इसमें एक बार नहा लेने से कभी भी कोई भी त्वचा से संबंधित रोग नहीं होता है। इस कुंड से निकलने वाला पानी जमुई नामक नाले से होता हुआ गर्गा नदी में जाता है। ये कुंड कंक्रीट की दीवारों से घिरा हुआ है। इस जलाशय का पानी एकदम साफ है और ये औषधीय गुणों से भरा हुआ है।

संक्रांति में लगता है मेला

वर्ष 1984 से यहां हर साल मकर संक्रांति पर मेला लगता है। कुंड के निकट दलाही गोसाई का देव स्थान है। यहां हर रविवार को श्रद्धालु आते हैं।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का करें ये उपाय

आज के अर्थ युग में पैसा हर किसी की जरूरत है। हालांकि, इस भौतिकतावादी समाज में इंसान हर सुख और वैभव की चीज को खरीदना चाहता है, जिसके लिए वह ऋण लेता है। कई बार कुछ मजबूरियों के चलते भी लोगों को ऋण लेना पड़ता है।

यदि ऋण लेने के बाद आप उसे चुका नहीं पा रहे हैं, तो एक आसान उपाय इसमें आपकी मदद कर सकता है। इस उपाय को करने से आपके पास धन के आने के रास्ते खुल जाएंगे और आप आसानी से अपना ऋण चुका सकेंगे। शुक्रवार की रात्रि में ग्यारह बजे के बाद एकाग्रता से बैठकर, नेत्र बंद करके ऐसा ध्यान करें कि आपके सामने महालक्ष्मी कमलासन पर विराजमान हो और आप उनके ऊपर कमल पुष्प चढ़ा रहे हैं। ऐसे 108 मानसिक कमल पुष्प अर्पित करें। ऐसा करने से लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। यह उपाय हर शुक्रवार को करें। ऐसा करने से अवश्य ही आपका ऋण जल्दी उतर जाएगा।

चंचला हैं लक्ष्मी

यह तो सभी जानते हैं कि लक्ष्मी चंचला हैं। वह किसी भी स्थान पर ज्यादा देर तक नहीं टिकती हैं। लक्ष्मीजी हमेशा विष्णु भगवान के साथ रहती हैं। इसलिए यदि इस उपाय के साथ ही विष्णु सहस्रनाम या गोपाल सहस्रनाम का पाठ करें, तो घर में विष्णु भगवान का वास और कृपा भी होती है। यदि घर में विष्णु भगवान का वास हो गया, तो लक्ष्मी जी स्वत: वहां बनी रहेंगी।

क्या है चंदन का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में चंदन की लकड़ी को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। इस लकड़ी को पत्थर पर पानी के साथ घिसकर इसका तिलक बना माथे पर लगाना हिंदू धर्म में बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि चंदन इतना पवित्र होता है कि चंदन की बटटी और सिल्ली पूजा स्थल पर ही रहनी चाहिए। चंदन एक खास तरह की सुगंधित लकड़ी होती है, इसकी सुगंध बेमिसाल होती है। जैसे-जैसे इसका पौधा बढ़ता है, वैसे-वैसे इसके तने और जड़ों में सुगंधित तेल का अंश बढ़ने लगता है।

हिंदू धर्म में चंदन को अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसलिए पूजा के हर कार्य में चंदन की लकड़ी, चंदन का लेप और चंदन के इत्र आदि का प्रयोग किया जाता है। शिवलिंग का अभिषेक भी चंदन से करने की परंपरा प्रचलित है। श्री हरि और उनके अवतारों के लिए सफेद चंदन का लेपन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि देवी की उपासना में लाल चंदन ज्यादा प्रयोग होता है। बौद्ध धर्म में चंदन के प्रयोग से ध्यान करने की परंपरा प्रचलित है।

ज्योतिष में ग्रहों की समस्या के समाधान के लिए भी चंदन का प्रयोग किया जाता है। रोज घर में पूजा के समय चंदन की सुगंध वाली धूप बत्ती जलाएं। चंदन का एक छोटा सा टुकड़ा लेकर इसे नीले कपड़े में रखकर लाकेट की तरह बना लें। शनिवार की शाम को इसे लाल धागे में गले में धारण कर लें।

महाभारत युद्ध में इन देव और दानवों ने लिया था भाग

धरती पर समय-समय पर देव और दानवों ने जन्म लिया है। असूरों ने धरती के कष्टों को बढ़ाया है तो देवों ने धरती के कष्टों का हरण किया है। देवों ने अक्सर मानव जाति के उत्थान के लिए मानव रूप में धरती पर अवतरण किया तो कभी स्वर्गलोक में श्राप की वजह से उनको धरती पर आना पड़ा। महाभारत मे ऐसे अनेक योद्धा हुए जो देव और दानव थे, लेकिन धरती पर मानव रूप में आए और किसी कार्य विशेष के पूरा होने या श्राप से मुक्त होते ही धरती से प्रस्थान कर गए। हम आपको बताते हैं महाभारत के वीरों और उनके अवतरण के बारे में। पहले बात दानवों की करते हैं। दानवराज विप्रचित्ति ने जरासंध और हिरण्यकशिपु ने शिशुपाल के रूप में जन्म लिया था। शिबि दैत्य ने द्रुम राजा के रूप मे और वाष्कल ने भगदत्त के रूप में जन्म लिया था। दैत्य कालनेमी ने कंस के रूप में जन्म लिया था। देव, मुनि, ऋषि आदि अनेक महापुरूषों ने महाभारत काल में धरती पर अवतरण लिया था। इसमें भरद्वाज मुनि के यहां बृहस्पति के अंश के रूप में द्रोणाचार्य ने जन्म लिया था। वह श्रेष्ठ धनुर्धर, उत्तम शास्त्रवेत्ता और तपस्वी थे। और द्रोणाचार्य के यहां पर महादेव, यम, काल और क्रोध के सम्मिलित अंश भयानक अश्वत्थामा ने जन्म लिया था। महर्षि वशिष्ठ के श्राप से और इन्द्र की आज्ञा से आठों वसु महाराज शांन्तनु से गंगा के गर्भ से उत्पन्न हुए थे। इनमें सबसे छोटे भीष्म थे, जो कौरवों के रक्षक और श्रेष्ठ वक्ता थे।

रुद्र के एक गण ने कृपाचार्य के रूप में जन्म लिया था। मरुदगम के अंश से सात्यकि, द्रुपद, कृतवर्मा और विराट का जन्म हुआ था। अरिष्टा का पुत्र हंस, जो गंधर्वराज था ने धृतराष्ट्र के रूप में जन्म लिया था और हंस के छोटे भाई पाण्डु के रूप में अवतरित हुए थे। सूर्य के अंश धर्म के रूप में विदूर का अवतरण हुआ तो कलयुग के रूप में दुर्योधन का जन्म हुआ, जो कुल के नाश की वजह बना। पुलतस्य वंश के राक्षसों ने दुर्योधन के सौ भाइयों के रूप में जन्म लिया, लेकिन धृतराष्ट्र का वह पुत्र जिसका नाम युयुत्सु था, उसका जन्म एव वेश्या के गर्भ से हुआ था इससे वह इन सभी से अलग स्वभाव का और धर्मप्रेमी था।

योगमाया है श्रीकृष्ण की मुरली

भारतीय संस्कृति के महानायक श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व बहुरंगी हैं। ज्ञानेश्वरी के लाड़ले श्रीकृष्ण, गीता के तत्ववेत्ता श्रीकृष्ण, गोकुल के नटखट कृष्ण, राधा-मीरा और आम भक्तों के भक्त वत्सल कृष्ण, राजनीतिज्ञ द्वारकाधीश कृष्ण, योगेश्वर कृष्ण ऐसे न जाने उनके कितने रूप हैं लेकिन सबसे लोकप्रिय है मुरलीधर कृष्ण। मुरली के बिना श्रीकृष्ण की कल्पना संभव नहीं। उनकी बांसुरी में हमें जीवन के अनेक अर्थ मिलते हैं।

बाहरी शोरगुल से शांत अतंरात्मा की आवाज सुनने का माध्यम है 'ध्यान' और कृष्ण की मुरली के स्वर गोपियों को ध्यान में ले जाते थे अर्थात आत्मा से जोड़ते थे। गहराई से विचार करें तो गोपियां यानी हमारी कामेन्द्रियां। जो मोह-माया में उलझी रहती, ध्यान साधना से ही वे प्रभु का साक्षात्कार कर सकती हैं।

श्रीकृष्ण की यह मुरली कोई सामान्य नहीं वरन योगमाया है। मुरली में कुल नौ द्वार (छेद) होते हैं उनमें से सात द्वारों में सात सुर समाए हैं। श्रीकृष्ण अपने नाजुक होठों से सारे विश्व पर मीठी फूंक डालते हैं और इन्हीं सप्त स्वरों में सारा आयुर्वेद भी है। आयुर्वेद शरीर के कफ, वात और पित्त का इलाज करता है। इन सात स्वरों में उनकी योजना समाई है। सा, रे, ग -कफ विभाग, म, प, ध - पित्त विभाग
ध, नि, सा - वात विभाग

हर स्वर के हैं देवता

समयानुसार प्रत्येक का राग निश्चित है। उस रोग के मुताबिक वह राग गाया जाता है। प्रत्येक स्वर के देवता भी बताए गए हैं :- षड्ज - सा - अग्नि, ऋषभ - रे - यम, गांधार - ग - चंद्र, मध्यम - म - लक्ष्मी, पंचम - प - गणनाथ सूर्य, धैवत - ध - नारद गणेश, निषाद - नि - लाल सूर्य, ऐसे ये सात स्वर और बाइस श्रुतियों का संगम श्रीकृष्ण की मुरली में सुनाई देता है।

कृष्ण की उंगलियों पर नाचते हैं ग्रह

मानव शरीर के नौ द्वार हैं - दो आंखें, दो कान, दो नथुने, एक मुंह, एक गुदा, एक जननेंद्री। नौ द्वारों में नवनाथों को बांट दिया है। इसी शरीर में नवग्रहों का वास भी है। भौहों में सूर्य, बिंदु में चन्द्र, आंखों में मंगल, हृदय में बुध और गुरु स्थान में विष्णु। पेट में शुक्र और नाभि में शनि तो गुदा में राहु और पैरों में केतू। ये सारे ग्रह श्रीकृष्ण के हाथों की उंगलियों की ताल पर नाचते हैं। सम्र सुरों में शरीर के सात चक्र खिलते हैं। इन्ही स्वरों के सामर्थ्य पर श्रीकृष्ण भक्त समाधि लगा सकते हैं। नौ द्वारों वाली मुरली के नाद शरीर की पंच ज्ञानेन्द्रियों, मन, बुद्धि अहंकार और चित्त इन नौ पलों पर इन स्वरों का असर होता है। प्रकारांतर से कृष्ण की मुरली हमें बताती है कि इंद्रियों पर पकड़ रखकर हम संसार को जीत सकते हैं।

500 बीघा वनभूमि पर लहलहा रही मूमफली की फसल

ग्रामीण बोले कलेक्टर से लेकर डीओफो तक दर्ज करा चुके हैं, पर नहीं होती कार्रवाई,वन विभाग से साठ-गांठ कर दमंगो ने किया वनभूमि पर कब्जा

आमोलपठा
पत्रकार सतीश परिहार करेरा

शिवपुरी जिले के अमोला रेंज के अर्तगत दक्षिण में घसारही एवं नारही में बर्षो से दमंग लोगों द्वारा वनभूमि की करीब 500 बीघा जमीन पर अबैध कब्जा कर फसल कर रहे हैं। बर्तमान समय में इस जमीन पर मूंगफली की फसल लहलहा रही है। बताया जा रहा है कि इस पूरे खेल में डिप्टी रेंजर मोहन लोधी और बीट गार्ड सुनील सोहरे की मिली भगत से हो रहा है। शिकायतकर्ताओं ने लिखित शिकायत जिला कलेक्टर से लेकर डीओफो तक शिकायत कर चुके लेकिन आज तक कोई कार्यवाई नहीं हुई। इधर दमंग लोगों ने ग्रामीणों की आम रास्ता को भी बंद कर दिया हैं जिससे उनकी निजी भूमि पर आने जाने में निकलना मुश्किल हो रहा और पशुओं को भी निकलने नहीं दे रहें।ग्रामीणों ने बताया कि बर्तमान सरपंच राजेन्द्र ठाकुर का कहना है कि चाहे जितनी शिकायत करलो मेरा कुछ नहीं बिगार सकते और न ही फोरेस्ट विभाग मेरी वनभूमि की जमीन जोत पायगी क्योंकि फोरेस्ट विभाग में मेरे अच्छे संबंध है और पैसा भी देता हू।यह भी आरोप लगाया गया है कि सरपंच द्वारा और अन्य लोगों को भी वनभूमि पर अबैध कब्जा कराये हुए हैं। इसलिए तमाम शिकायतों के बाद भी इस भूमि से कब्जा हटाने की कार्यवाही नहीं हो रही। अमोला दक्षिण रेंज के अर्तगत घसारही एवं नारही के ग्रामीण भरत सिंह ठाकुर, सालिकराम जाटब, बादाम पाल, रमेश पाल, रामभरोसा जाटब, गोविन्द प्रजापति, कप्तान परिहार, जगदीश जाटब, चंद्रभान परिहार, लाला आदिवासी, खम्मा बाई आदिवासी आदि ने बताया कि घसारही एवं नारही में वनभूमि की 500 बीघा जमीन हैं।

यहां पर करैरा रेंजर अनुराग तिवारी की साठ ंठ से घसारही एवं नारही गांव के राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रूप सिंह गुर्जर, गोपाल सिंह ठाकुर, बाघ सिंह ठाकुर,बल्लू ठाकुर जुगहा, किशोरी जाटब, महेश जाटब, बल्ली जाटब, अबदेश लोधी, लालू गुर्जर सिलानगर सहित अन्य लोगों ने भी वनभूमि पर कब्जा कर रखा है। इन लोगों ने इस जमीन पर खड़े पेड पौधों को काट दिया और 500 बीघा पूरी जमीन में मूंगफली की फसल लगाकर रखी हैं। इस मामले में गांव के लोगों ने फोरेस्ट विभाग से लेकर कलेक्टर को शिकायत दर्ज कराई हैं।इस के बाद भी कोई कार्यवाई नहीं हुई।

करैरा ग्राम पंचायतों में कमीशनखोरी की दलदल में फसा विकाश

सरपंच, सचिव,सहायक सचिव, इजीनियर, ए ई, जनपद के अधिकारी कर्मचारियो, फर्जी बिल लगाने बाली फर्मो को मिलाकर लिया जाता है आखिर कैसे लिखीं जाएं पंचायतों की उज्जवल बिकाश की कहानियाँ

आमोलपठा
पत्रकार सतीश परिहार करैरा

मध्यप्रदेशमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा करोडों रूपय ग्राम पंचायतों की दशा और दिशा सुधारने के लिए पानी की तरह नई- नई योजनायें लाकर बहाया जा रहा है। लेकिन इसके बाद भी नजर अंदाज किया जाएं तो ग्राम पंचायतों की हालत बेहद दयनीय है कोई भी बिकाश कार्य गुणवत्ता युक्त नहीं हो पा रहा है।कोई भी ग्राम पंचायतों में चल रही योजनाओं की स्थिति पर गौर कर नजर दौडा लो तो हर योजना कहीं न कहीं शिष्टाचार के माध्यम से भ्रष्टाचार की भेंट चड़ी हुई है। आखिर किसी भी जनप्रतिनिधि ने इस पर बिचार क्यू नहीं किया ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों को नहीं है। करैरा विधानसभा की ग्राम पंचायतों में योजनाओ का लाभ पहुचाया जा रहा है। लेकिन पंचायत के कर्ताधर्ताओं द्वारा राशि का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाई जा रही है। ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत नारही का सामने देखने को मिला जहां ग्रामीणो को आम रास्ते में सनी हुई कीचड़ से गुजरना पड रहा है। कई बार ग्रामीणों ने सरपंच व सचिव से गुहार लगा चुके लेकिन सुनकर आना कानी कर दी और आम रास्ते में थौडी- थौडी मरम्मत कराकर छोड़ दी और उसी रास्ते में जगह-जगह गड्ढे भी हो चुके जिससे दो पहिया वाहन निकलने में मुश्किल हो रहा है। वहीं ग्राम पंचायत नारही में सरपंच एवं सचिव द्वारा फर्जी मस्टर डाल कर अपने चाहते लोगों के खाते में राशि डालकर निकलवा ली जाती है। और उस राशि को मिल बांट कर खुर्दबुर्द की जा रही है।

स्मैक के साथ फरार आदतन अपराधी राघवेंद्र गिरफ्तार, पुलिस ने जारी रखा स्मैक के खिलाफ अभियान

पत्रकार सतीश परिहार करैरा

करैरा स्मैक के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में करैरा पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए भितरवार रोड, खैराघाट पुलिया के पास से आदतन अपराधी राघवेंद्र रावत को 20 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कियाराघवेंद्र, जो ग्राम स्याउ थाना करहिया, जिला ग्वालियर का निवासी है, पर पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के तहत चार मामले दर्ज हैंइस कार्रवाई में थाना प्रभारी विनोद छावई ,उनि केपी शर्मा, आर मत्स्येन्द्र सिहं ,आर हरेन्द्र गुर्जर ,आर मलखान गुर्जर, आर मुकेश अहिरवार ,आर ओमप्रकाश रावत , आर सतेन्द्र सिंह सिकरवार ,आर देवेश तोमर , आर चालक रामअवतार गुर्जर की भूमिका सराहनीय रहीपुलिस ने इस अभियान को और तेज करने का संकल्प लिया है, ताकि समाज को नशे की लत से मुक्त किया जा सके थाना प्रभारी विनोद सिंह छावई की ताबड़तोड़ कार्रवाई से यह स्पष्ट है कि पुलिस नशे के खिलाफ अपनी मुहिम को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्राम पंचायत आमोलपठा में झाड़ू लगा कर दिया स्वच्छता का संदेश

संपूर्ण आमोलपठा गांव को स्वाच्छ बनाया जाएगा

आमोलपठा

करैरा अनुविभाग के अन्तर्गत ग्राम पंचायत आमोलपठा में स्वच्छता ही सेवा है स्वच्छ भारत मिशन स्वाभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत आमोलपठा में गली मोहल्लो में पंचायत समस्त टीम ने झाडू लगाकर स्वाच्छता का संदेश दिया।इस अवसर पर गांव के बुजुर्ग और अन्य लोगों ने भी भाग लिया बही आमोलपठा पंचायत में दो अक्टूबर को ग्राम सभा एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया ग्राम पंचायत आमोलपठा में सभी मोहल्ले की नालीयो की साफ-सफाई कराई गई और पंचायत की टीम ने मिलकर लगी में झाडू लगा कर स्वच्छता का संदेश दिया। जिसमें सरपंच श्रीमती अनीता परिहार, सचिव रबिन्द्र सिंह राजपूत, सहायक सचिव पहलवान सिह पाल जनपद सदस्य दुष्यंत सिंह परमार भरत कुमार परिहार, पवन झा, संदीप जैन, हरिवंश (गोटे) लोधी,पिंकी लोधी, अन्य लोग भी मौजूद रहे।

आई सी की बैठक में अध्यक्ष सीएमओ ने मिलकर जबरन किया प्रस्ताव पास

7 पार्षदों ने किया विरोध अध्यक्ष के साथ थे सिर्फ 6 पार्षद,,,,,,, पोरसा नगर पालिका परिषद मैं कई बिंदुओं को लेकर बैठक हुई बैठक में जो प्रस्ताव सामने आया वह चौंकाने वाला था की नगर पालिका सीएमओ और अध्यक्ष ने मिलकर पैसा पहले ही निकाल लिया है और अब उनके कामों के प्रस्ताव सामने आ रहे हैं इसी भ्रष्टाचार को देखते हुए सात पार्षदों ने प्रस्ताव को पास न होने पर जोर डाला लेकिन सीएमओ और अध्यक्ष ने मिलकर जबरन प्रस्ताव पास करने का कार्य किया है ऐसे सभी सात पार्षदों में रोस व्याप्त है उन्होंने नगर पालिका सीएमओ सहित अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं

2 अक्टूबर को एकीकृत शासकीय हाईस्कूल शिकारी के पुरा मे गांधी जयंती पर प्राचार्य जी के नेतृत्व में शिक्षक एंव शिक्षकाओ के द्वारा विद्यालय में साफ सफाई की गई

अम्बाह। 2 अक्टूबर को शासकीय हाईस्कूल शिकारी पुरा में गांधी जयंती पर शिक्षक शिक्षिकाओं एवं छात्र छात्राओं ने साफ सफाई की गई। विधालय के प्राचार्य अशोक कुशवाहा ने कहा कि। हमें नगर को स्वच्छ बनाना हमारी जिम्मेदारी है। हमे अपने घर में साफ सफाई रखना पानी को इकट्ठा नहीं होने देना है। कचड़ा रोड पर नहीं डस्टबीन में ही डाले। जिसमें।उपस्थित प्राचार्य अशोक कुशवाहा जी मुकेश नायक राम तर सखवार मनोज श्रीवास राम खिलाड़ी कुशवाहा अनार मौर्य धरमेंद्र गुर्जर मोहर सिंह कुशवाह श्रीमती नीतू उपाध्याय श्रीमती रेनू शर्मा नीरज शर्मा एंव ग्रामीण जन अपनेश प्रताप सिंह तोमर उपस्थित रहे।

अज्ञात वहान ने गाय को कुचला थाना प्रभारी के प्रयास से हुआ गाय का उपचार

रौन-नगर के वाई पास पर अज्ञात अनियंत्रित वहान ने एक गाय को टक्कर मार कर घायल कर दिया गाय का पैर फेक्कर हों गया घायल अवस्था में गाय बीच रोड पर डली तड़प रही थी ज़ख्म से अत्यधिक खुन वह रहा था वहां से गुजर रहे गौरक्षक अंगद सिंह राजावत मडी जैतपुरा ने गौरक्षा संगठन प्रमुख सन्तोष चौहान को सुचना दी सन्तोष चौहान द्वारा रौन थाना प्रभारी आषुतोष शर्मा को सुचना दी गई थाना प्रभारी ने तत्परता दिखाते हुए मोके पर पहुंच कर नगर परिषद कर्मचारियों को वुलवाकर गाय को सुरक्षित स्थान पर रखवाकर उपचार करवाया हालांकि गाय की हालत अत्यंत गंभीर है,रौन नगर के गौसेवक प्रहलादसोनी , राहुल त्यागी (फौजी) विशाल गुप्ता आदि ने थाना प्रभारी का आभार व्यक्त किया

अम्बाह सरोज देवी मेमोरियल अस्पताल में सैकडो की संख्या में निशुल्क शिविर मे दिल्ली के डाक्टरो से लिया इलाज...

अम्बाह... सरोज देवी मेमोरियल हॉस्पिटल पोरसा रोड अम्बाह में आज शुक्रवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें गॉव और शहर के बाहर के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में दिल्ली बेदान्ता अस्पताल से आई अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों को मुफ्त परामर्श दिया शिविर में विशेष रूप से हृदय रोग के डा. शाकिर खॉन, प्रसुति एवं स्त्री बिशेषज्ञ राधा गुप्ता मथुरा और हड्डी रोग बिशेषज्ञ डा. शोभित गुप्ता ने मरीजों को मुफ्त परामर्श दिया गया। अम्बाह शहर के जाने पहचाने समाज सेवी डा. नारायण हरी के पास मरीजो का तांता लगा रहा सभी को परामर्श देकर उपचार किया इसके अलावा कार्डियोलॉजी मरीजों के लिए ईसीजी, ईको और सीरम क्रेटनिन, गाइनी मरीजों के लिए पेप स्मीयर और पीडियाट्रिक मरीजों के लिए हिमोग्लोबिन की जांच की भी निःशुल्क व्यवस्था की गयी थी। परामर्श के बाद अधिकांश मरीजों ने मुफ्त में जांच कराया। परामर्श देनेवालों में बेदान्ता दिल्ली की टीम आरती गौतम रजत भाटिया व, गंगा पैथोलॉजी की टीम रही।अस्पताल के निदेशक और हड्डी सर्जन बिशेषज्ञ डॉ. शौभित गुप्ता ने बताया कि यह शिविर सभी के लिए खुला था। हमारी अपेक्षा से आगे मरीजों ने इस शिविर के लिए अपना उत्साह दिखाया। शिविर में पहले से अपनी बीमारी का इलाज करवा रहे लोगों के अलावा पहली बार पहुंचे लोगों को भी समुचित परामर्श दिया गया। डा. राधा गुप्ता ने बताया कि यह शिविर दोपहर 10 बजे से 2 बजे तक 4 घंटे के लिए आयोजित किया गया था। इन चार घंटों के दौरान ही काफी संख्या में लोग पहुंचे और अपनी बीमारी को लेकर डॉक्टरों से परामर्श लिया। इस शिविर के दौरान हमने पाया कि कई लोग जांच में लापरवाही के कारणबीमारी को बढ़ाते चले जाते हैं। यहां मुफ्त जांच के कारण उनकी बीमारी पकड़ में आ गयी।शिविर में हिस्सा लेने पहुंचे लोगों ने फोर्ड हॉस्पिटल की इस पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर से हमें मुफ्त में इतने बड़े अस्पताल में बीमारी दिखाने का मौका मिल गया। शिविर के दौरान यहां के कर्मचारियों ने बहुत ही सहयोगात्मक रवैया दिखाया।

शहर में किया आदिशक्ति के 9 स्वरूपों का शूट

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। शारदीय नवरात्रि के लिए आदिशक्ति के 9 स्वरूपों का शूट ग्वालियर में किया गया। इस शूट को डायरेक्ट किया रिचा शिवहरे ने। रिचा पिछले पांच वर्षो से नवरात्र में देवी माता के विभिन्न रूपों के दर्शन सभी को कराती आ रही हैं। इस बार भी उन्होंने माता रानी के नौ स्वरूप को हम सबके सामने प्रस्तुत किया है। इस फोटो शूट में सपोर्टेड टीम में विशाल वर्मा, अंकित, हर्षित परिहार रहे। फोटोग्राफी मनीष जोशी ने की है। देवी मां के नौ रूपों को मेकअप आर्टिस्ट विशाल वर्मा, एकता राउत, काया कुशवाह, लवली, वीनू गर्ग, शालिनी, आशा जेसवानी, रूपम, राधिका बिंदल ने ऐसा रूप प्रदान किया। वहीं नवदुर्गा के स्वरूप में शैलपुत्री प्रकृति जैन, ब्रह्मचारिणी तारिणी बंसल, चंद्रघंटा रानी थापा, कुष्मांडा पल्लवी मिश्रा, स्कंदमाता अंजलि शिवहरे, कात्यायनी आंचल भदौरिया, कालरात्रि तनु वर्मा, महागौरी नीना सक्सेना और सिद्धिदात्री के रूप में मोनिका तिवारी ने शिरकत की।

अभिमन्यु अभियान के तहत महिला एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण देने हेतु, बालकों को किया जागरूक

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है, इसी क्रम मे संपूर्ण प्रदेश में दिनांक 03 अक्टूबर 2024 से 12 अक्टूबर 2024 तक विशेष जागरूकता अभियान ''अभिमन्यु÷ संचालित करने हेतु निर्देशित किया गया है । प्राप्त निर्देशो के पालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना एवं अति. पुलिस अधीक्षक श्री मनोहर सिंह बरिया के निर्देशन में जिला खरगोन मे पुलिस के द्वारा अभियान ''अभिमन्यु÷ अभियान का शुभारंभ किया गया है ।इसी तारतम्य में आज दिनांक 04.10.2024 को देवी अहिल्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 खरगोन में महिला सुरक्षा शाखा प्रभारी डीएसपी श्रीमति वर्षा सोलंकी, यातायात थाना प्रभारी श्री रमेश सोलंकी, महिला थाना की सब- इंस्पेक्टर लक्ष्मी अवस्या, महिला आरक्षक सरोज एवं प्रधान आरक्षक मोहन बरफा ने देवी अहिल्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में अभिमन्यु अभियान के तहत लगभग 200 छात्रों को जागरुक किया । शाला में प्राचार्य श्री मनोहर पाटिल, श्री एस के सान्याल, श्रीमती मोहिनी बार्चे, दीपिका पटेल, श्री जितेंद्र चोयल एवं श्री सोनसिंग मौर्य भी उपस्थित रहे ।डीएसपी श्रीमती वर्षा सोलंकी ने अभिमन्यु अभियान के मुख्य उद्देश्य को बताते हुए उपस्थित बालकों को समझाया कि, आप किसी महिला या बालिका का अपमान न करें, किसी भी कार्य को लिंग के आधार पर ना देखें, दहेज जैसी कुप्रथा से स्वयं को दूर रखें, किसी भी बालिका के विरुद्ध अश्लीलता को स्वयं ना करें और किसी अन्य को करते हुए देखकर अवश्य ही उसे रोके । कार्यक्रम के अंत में छात्रों को नशा मुक्ति, दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या और असंवेदनशीलता तथा अश्लीलता से दूर रहने की शपथ दिलाकर समाज को बालिकाओं तथा महिलाओं हेतु सुरक्षित बनाने का संकल्प भी दिलवाया

05 अक्टूबर को लाड़ली बहनों के खाते में जमा होगी राशि

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 05 अक्टूबर को दमोह जिले के संग्रामपुर में आयोजित कार्यक्रम में दोप. 02.30 बजे सिंगल क्लिक के माध्यम से लाड़ली बहनों के खाते में राशि हस्तातंरित की जाएगी। इसमें लाड़ली बहनों एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन की हितग्राही महिलाओं को माह सितम्बर की राशि पेड-इन अक्टूबर 2024 की राशि प्रदान की जाएगी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनांतर्गत समस्त एलपीजी गैस कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं तथा गैर पीएम उज्ज्वला योजना श्रेणी की लाडली बहना हितग्राहियों को माह जून, 2024 की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। इसमें खरगोन जिले की लाड़ली बहनाएं भी लाभान्वित होगी।

3 से 11 अक्टूबर तक छात्रवृत्ति स्वीकृति वितरण के लिए चलाया जाएगा विशेष अभियान

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कक्षा 1 से 12वीं तक में अध्यनरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति सरलतापूर्वक एवं शत प्रतिशत स्वीकृत व वितरण हो इसके लिए शासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति आवेदन के लिए महत्वपूर्ण अभिलेख की उपलब्धता एवं डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करना है। दस्तावेजों के लिए छात्रों को भटकना न पे इसके लिए जिला कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के नेतृत्व में समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को उनके विकासखंड की मॉनिटरिंग दी जाकर संकुल प्राचार्यो को सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्या ने निर्देशित किया है कि वह अपने संकुल के सभी विद्यार्थियों के दस्तावेज परीक्षण करें। दस्तावेजों में यदि कोई कमी है तो इसके लिए कियोस्क संचालक से बनवाना सुनिश्चित करें। जिससे शत प्रतिशत छात्रों की प्रोफाइल तैयार कर समय पर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का वितरण किया जा सके।

05 अक्टूबर को पीएम किसान उत्सव दिवस

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

जिले के 2.13 लाख किसानों के खाते में जमा होगी 42.64 करोड रुपये की राशिप्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त का वितरण 05 अक्टूबर को किया जाएगा। 05 अक्टूबर को पीएम किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी महाराष्ट्र के वासिम जिले के वायगुल से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के हितग्राही किसानों के खाते में राशि का अंतरण करेंगे। इस कार्यक्रम का जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत खरगोन जिले के 02 लाख 13 हजार 216 किसानों के खाते में 02-02 हजार रुपये के मान से 42 करो 64 लाख रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। इसमें विकासखण्ड बवाह के 38 हजार 256 किसानों को 7.65 करो रुपये, भगवानपुरा के 19 हजार 121 किसानों को 03.82 करो रुपये, भीकनगांव के 27 हजार 712 किसानों को 05.54 करो रुपये, गोगांवा के 14 हजार 988 किसानों को 03 करो रुपये, झिरन्या के 21 हजार 149 किसानों को 04.23 करो रुपये, कसरावद के 34 हजार 380 किसानों को 06.88 करो रुपये, खरगोन के 19 हजार 103 किसानों को 03.82 करो रुपये, महेश्वर के 25 हजार 714 किसानों को 05.14 करो रुपये एवं विकासखण्ड सेगांव के 12 हजार 792 किसानों को 02.56 करो रुपये की राशि प्राप्त होगी।

जनपद कार्यालय अंबाह में आयोजित किया गया रोजगार मेला 250 युवा बेरोजगारों ने लिया हिस्सा60युवा अंतिम रूप से हुए चयनित

अंबाह। राज्य सरकार द्वारा संकल्पित व प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य डे आजीविका मिशन के तहत आज अंबाह जनपद में रोजगार मिलेगा आयोजन किया गया जिसमें एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स,डीडीयू जी केवाई, के माध्यम से परामर्श कर चयनित को आगे कार्य हेतु ,प्रशिक्षण हेतु अलग से समय ,लेटर जारी किए गए इस मौके पर जनपद सीईओ सुमनचक चौहान, दिवाकर शर्मा ब्लॉक मैनेजर एनआरएलएम, दुष्यंत एबीएम एनआरएलएम, एवं एक्सिस बैंक से प्रतिनिधि के रूप में पंकज जैन ब्रजकिशोर शर्मा, टाटा मोटर्स से वंदना राजपाल डीडीयू जीकेवाई से शिवम शर्मा प्रतिनिधि के तौर पर भर्ती हेतु व चयन उपरांत कंपनी केअनुसार नियुक्ति पत्र आगामी प्रक्रिया के लिए अपने संस्थान में बुलाकर प्रशिक्षण उपरांत उनको उचित मानदेय, वेतनमान दिया जाएगा।

अम्बाह पीजी कॉलेज, अंबाह के हिंदी विभाग में आचार्य रामचंद्र शुक्ल जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

अम्बाह, . अम्बाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबाह के हिंदी विभाग में आज आचार्य रामचंद्र शुक्ल की जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभाग के समस्त प्राध्यापकों एवं एम ए हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों द्वारा मां शारदे एवं आचार्य रामचंद्र शुक्ल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शशि वल्लभ शर्मा ने हिंदी साहित्य के इतिहास में आचार्य रामचंद्र शुक्ल की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि शुक्ल जी न केवल एक आलोचक थे बल्कि साहित्यिक इतिहासकार और निबंधकार के रूप में भी उनका योगदान अतुलनीय है।कार्यक्रम का संचालन भाषा परिषद की परामर्शदाता डॉ. अभिलाषा श्रीवास्तव ने किया। हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. पूर्णिमा अग्रवाल ने आचार्य शुक्ल के मनोविकार और उनके मनोविश्लेषणात्मक निबंधों पर संक्षिप्त चर्चा की, जिसमें 'उत्साह, श्रद्धा और भक्ति, करुणा, भय, ग्लानि, क्रोध, लज्जा' जैसे भावों पर उनके विचार सम्मिलित थे।प्रो. नीता सिंह ने उनके व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि आचार्य शुक्ल एक उच्च कोटि के आलोचक, कवि, इतिहासकार और निबंधकार थे। हिंदी साहित्य में उनके अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।इस अवसर पर एम ए हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों में प्रिया सेंगर, प्रतीक जैन, अनामिका गुर्जर, पूनम कुशवाह, स्वार्थी शर्मा, सरिता तोमर, खुशी राजौरिया, श्रुति लक्षाकार, स्वाती शर्मा, शिवानी राठौर एवं देवेश शर्मा ने भी आचार्य शुक्ल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अभिलाषा श्रीवास्तव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नवरात्रि का दूतिए दिवस पर नौ देवियों की चैतन्य झांकी का दरबार सजाया गया

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता विवेक राय

ककरवाहा इंद्रानगर चौराहा पर देवी की चौकी सजाई गई जिसने सभी भक्तों का मन मोह लिया द्य पां जी कृष्ण किशोर मिश्रा (मुन्ना महराज)ने अपने उद्बोधन में कहा है कि हम दूर-दूर तक पहाड़ों पर जाते हैं देवियों के दर्शन करने द्य यहां पर साक्षात देवियों का दरबार सजाया गया है, जिसमें चैतन्य देवियों में दुर्गा देवी, सरस्वती देवी, वैष्णो देवी, लक्ष्मी देवी, गंगा देवी, गायत्री देवी, मीनाक्षी देवी, उमा देवी, संतोषीदेवी, वेष्णो देवी ये सभी देवी शक्ति आज आप सबकी मनोकामनाएं अवश्य ही पूरी करेंगी द्य आप सभी चैतन्य देवियों से आशीर्वाद अवश्य ही प्राप्त करे द्य इंद्रानगर पर गूंज उठा जयकारे द्य साथ में यह भी कहा है कि हम सभी को नौ देवियों से 9 दिन एक-एक गुण को अपने जीवन में धारण करना है और इन शक्तियों को अपने अंदर धारण कर अनेक मनुष्य आत्माओं तक शक्तियों को, शुभकामनाओं के रूप में चारों तरफ पहुंचना है ताकि विश्व में शांति हो जाए द्य इंद्रा नगर से विवेक जगदीश दीपक ने सभी का आभार व्यक्त किया द्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे पर्वत राय रवींद्र राय रमेश सूरज हरिराम रामदश जगदीश साहू राजेंद्र झा आदि उपस्थित रहे

आयुष विभाग में सूचना के अधिकार को लेने से साफ किया इनकार शासकीय कार्यालयों में किया जा रहा है कानून का उल्लंघन

पत्रकार उमाकान्त शर्मा
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड।आयुष विभाग में आयुष विभाग से संबंधित सूचना के अधिकार के तहत जानकारी चाही गई। जिस पर आयुष विभाग शाखा की महिला बाबू द्वारा पहले तो आवेदन को रख लिया गया और पावती पर हस्ताक्षर कर दिए गए उसके बाद बाबू के द्वारा जिला आयुष अधिकारी नीलम कुशवाह को फोन किया गया जिस पर जिला आयुष अधिकारी ने सूचना के अधिकार के आवेदन को लेने से साफ इनकार कर दिया।उनके द्वारा बोला गया कि आप कलेक्टर साहब को दें। जब आवेदक ने कहा कि आपके विभाग से संबंधित जानकारी है कलेक्टर साहब के यहां क्यों लगाऐं।फिर आवेदक कलेक्टर शाखा में गया वहाँ शाखा के बाबू के द्वारा कहा गया आप आयुष विभाग में लगाओ उसी से संबंधित है उसके बाद आयुष कार्यालय पहुंचने पर आयुष अधिकारी गुस्से में बोली आपको जहाँ लगाना है लगाओ मैं नहीं ले सकती।जिस पर आयुष अधिकारी जी अपना आपा खो गई बोली आप एक महिला पर दबाव बना रहे हैं सरकारी कार्य में बाधा डाल रहे हैं मैं इसको नहीं ले सकती।जिला आयुष अधिकारी के द्वारा सूचना के अधिकार के आवेदन की अवहेलना की गई है। उनके विभाग से संबंधित जानकारी आयुष अधिकारी क्यों नहीं दे सकती क्या है इसका कारण ऐसा क्या था सूचना के अधिकार में जिससे जिला आयुष अधिकारी नीलम कुशवाह को इतना क्रोध आ गया।क्या अब संबंधित अधिकारी से पूछकर ही लिया जाएगा सूचना के तहत जानकारी का आवेदन

सीएम राइस हायर सेकेंडरी स्कूल जैतवारा में चलाया गया अभिमन्यु अभियान

पुष्पांजलि टुडे राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाये जा रहे %मैं हूं अभिमन्यु% अभियान के तहत समाज में जागरुकता लाने के लिए चलाया जा रहा है, इस अभियान के दूसरे दिन आज सीएम0 राईज स्कूल जैतवारा में थाना प्रभारी विजय सिंह एवं पुलिस स्टाफ एवं विद्यालय में उपस्थित स्टाफ के मार्गदर्शन में 12 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रवासियों को खासतौर पर युवा वर्ग को जागरूक किए जाने का प्रयास कर समाज के प्रति उनके दायित्वों से अवगत कराना व अपराध के प्रति जागरूक करना एवं समाज में महिलाओं एवं बालक व बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर नियंत्रण एवं लड़के लड़कियों को समान अवरार प्रदान कर , समाज के हर रतर पर व्याप्त लिंगभेद को समाप्त करने एवं आज के पुरुष को सभ्य समाज के निर्माण के लिए रुढ़िवादी धारणाओं एवं पूर्वाग्रहों के चक्रव्यूह को तोड़ते हुए महिलाओं के विकास व सह-अस्तित्व का सहभागी बनाने की समझाईस दी गई ।

शक्ति अभिनंदन अभियान के तीसरे दिन आयोजित हुईं विभिन्न गतिविधियां

दैनिक पुष्पांजली टुडे

महिला सशक्तिकरण की दिशा में महिलाओं से संबंधित विभिन्न कानून,अधिनियम और नियमों की दी गई जानकारीभिण्ड । कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री संजय कुमार जैन के निर्देशन में शक्ति अभिनंदन अभियान के तीसरे दिन शासन निर्देशानुसार महिलाओं एवं किशोरियों को महिला सशक्तिकरण की दिशा में महिलाओं से संबंधित विभिन्न कानून, अधिनियम और नियमों की जानकारी दी गई। उक्त गतिविधियां परियोजना गोहद, मेहगांव, लहार, भिण्ड, गोरमी में आयोजित की गईं। बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना के द्वारा महिलाओं से संबंधित विभिन्न कानून घरेलू हिंसाओं से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं को लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम, साइबर क्राइम से बचाव संबंधी विभिन्न अधिनियम पर विस्तार से जानकारी दी गई और अधिनियमों के तहत मिलने वाली सहायता के बारे में भी बताया गया कि आवेदन किस प्रकार से करना है, कहां करना है, आवेदन जमा करने की अवधि कितनी है, सभी सूक्ष्म चीजों को विस्तार से बताया गया। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर भी आयोजित होने वाली गतिविधियों में महिला बालिका का स्वास्थ्य परीक्षण एवं पोषण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, समस्त परियोजनाओं पर बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से उन्हें स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में संबंधित परियोजना के परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी, एएनएम और महिलाएं उपस्थित रहीं, बालिकाओं को भी पोषण संबंधी जानकारी दी गई।श्री सक्सेना द्वारा आगे अवगत कराया गया कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में ही डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ़ वीमेन अंतर्गत भी महिलाओं को सशक्त, समर्थ और सक्षम बनाए जाने हेतु विभिन्न गतिविधि आयोजित की जाती रही हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नासिक में 40वीं आरपीएफ स्थापना दिवस परेड में भाग लिया

- केंद्रीय मंत्री ने आरपीएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों के उन्नयन के लिए 35 करोड़ अनुदान की घोषणा की

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नासिक स्थित आरपीएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की 40वीं स्थापना दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने 33 आरपीएफ कर्मियों को सम्मानित किया, जिन्हें 2023 और 2024 के दौरान यात्रियों की जान बचाने में उनके साहसी प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित पुलिस पदक और जीवन रक्षा पदक प्रदान किए गए। ये पुरस्कार देश के रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा में आरपीएफ की अनुकरणीय सेवा को दर्शाते हैं और बल के अन्य सदस्यों को नए जोश के साथ अपने समर्पित प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने सुरक्षा उपायों को बढ़ाने में आधुनिक तकनीक को सक्रिय रूप से अपनाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरपीएफ को अपने कर्मियों की सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए बुलेटप्रूफ जैकेट और बेहतर हेलमेट सहित आधुनिक सुरक्षात्मक गियर से लैस किया जाएगा। इसके अलावा, मंत्री ने महिला कर्मियों के लिए सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ आरपीएफ के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों के उन्नयन और आधुनिकीकरण के लिए ?35 करोड़ के अनुदान की घोषणा की। तमिलनाडु में आरपीएफ डॉग स्क्वॉड के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र तैयार करने के उद्देश्य से 5.5 करोड़ का अतिरिक्त अनुदान स्वीकृत किया गया, जिसका उद्देश्य विशेष प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। केंद्रीय मंत्री ने अनुशासन और प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन के रूप में आरपीएफ परेड के दौरान औपचारिक सलामी भी ली। इस कार्यक्रम के भाग के रूप में, श्री वैष्णव ने %संज्ञान% मोबाइल एप्लिकेशन का हिंदी संस्करण लॉन्च किया, जिससे बल के भीतर संचार को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने तीन नए अधिनियमित आपराधिक कानूनों पर संदर्भ पुस्तकों के हिंदी संस्करण भी जारी किए, जिनका उद्देश्य आरपीएफ कर्मियों के कानूनी ज्ञान को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे का लक्ष्य वंदे भारत और अमृत भारत जैसी नए युग की ट्रेनों के माध्यम से अच्छी, आरामदायक, तेज और सस्ती यात्रा प्रदान करना है, साथ ही देश के सभी लोगों के लिए सुरक्षित यात्रा अनुभव के लिए कवच जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रदान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों की सुविधा के लिए वर्तमान में लगभग 12,500 सामान्य श्रेणी के डिब्बे बनाए जा रहे हैं। 40वें स्थापना दिवस परेड के अवसर पर आरपीएफ के महानिदेशक मनोज यादव, मध्य रेल के महाप्रबंधक धर्मवीर मीना, भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक और मध्य रेल के मुख्यालय एवं मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।आरपीएफ स्थापना दिवस परेड आरपीएफ के सदस्यों और उनके परिवारों द्वारा मनाई जाती है। यह दिन जनता की भलाई के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और उनकी खुशियां साझा करने का दिन है। आरपीएफ को न केवल रेलवे संपत्ति, बल्कि यात्रियों और यात्री क्षेत्रों की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह एक करुणा पूर्ण बल के रूप में उभरा है क्योंकि यह रेलवे के संपर्क में आने वाली महिलाओं, बच्चों, बीमारों, बुजुर्गों, दिव्यांगों और देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले अन्य लोगों की मदद करता रहा है। यह बल रेल यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है। यह परिवहन सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर, आतंकवादी कृत्यों के खिलाफ निवारक कार्रवाई करके, मानव तस्करी और तस्करी से जुड़े अपराधों से लड़कर, अपराध का पता लगाने में पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद करके, कानून और व्यवस्था बनाए रखने में सहायता करके, राष्ट्रीय और राज्य चुनावों के दौरान बंदोबस्त करके राष्ट्रीय सुरक्षा ग्रिड में एक महत्वपूर्ण हितधारक बन गया है।रेलवे सुरक्षा बल ने ÷सेवा ही संकल्प÷ के उद्देश्य को साकार करने के लिए अत्यंत समर्पण, ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ राष्ट्र और उसके नागरिकों की सेवा के लिए खुद को समर्पित किया है और अपने आदर्श वाक्य - ÷यशो लाभस्व÷ के लिए काम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

कल्याण चाहते हो तो राम को समर्पित कर दो जीवन: पं कपिल

राम बारात में श्रीराम की सुंदर छवि को देखने उमड़े श्रद्धालु - दंदरौआ हनुमान मंदिर पर श्रीरामकथा में निकली भव्य राम बारात

ग्वालियर। जीवन का यदि कल्याण चाहते हो तो खुद को राम को समर्पित कर दो, क्योंकि जापर कृपा राम की होई, तापर कृपा करे सब कोई। जिस पर राम की कृपा हो जाती है, उस पर सब कोई कृपा करने लगता है। यह विचार पं कपिल कृष्ण शास्त्री ने शताब्दीपुरम स्थित दंदरौआधाम मंदिर पर आयोजित रामकथा के दौरान व्यक्त किए। इस मौके पर कुशवाह मार्केट से रामबारात निकाली गई, जिसमें भक्तों ने उत्साहपूर्वक नाचते हुए शिरकत की। भगवान श्रीराम की सुंदर छवि को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शुक्रवार को कथा का रसपान कराते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में यदि भूलवर्श कोई पाप हो जाए, तो गंगास्नान जरूर करना चाहिए। गंगा स्नान करने से शरीर का ताप शांत हो जाता है और पुण्य उदय हो जाता है। उन्होंने कहा कि सच्चा ज्ञान वह है जिसे जीवन में उतार सकें। जीवन में जिसके पास सिर्फ उच्चारण के लिए ज्ञान होता है, उसे ज्ञान का अभिमान हो जाता है। हनुमानजी की जीवन में ज्ञान उच्चारण में भी था और आचरण में भी था, इसलिए उन्हें बल बुद्धि विद्या का दाता कहा जाता है। राम-लक्ष्मण के जनकपुरी में गुरू विश्वामित्र के साथ घूमने के प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि राम ने गुरू को आगे किया, जिससे उन्हें हर कार्य में सफलता मिलती चली गई, क्योंकि गुरूकृपा से बिगड़े हुए काम भी बन जाते हैं। उन्होंने बताया कि नवदंपत्ति के प्रेम में रस होता है,लेकिन दांपत्य पुराना होने पर जीवन से रस कम होता है और विश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा कि भक्ति सबसे पहले कानों से प्रवेश करती है। जो लोग बिना भक्ति के भगवाना को पाना चाहते हैं तो उन्हें सफलता नहीं मिलती है। सूर्पणखा इसका उदाहरण हैं। वो बिना भक्ति के भगवान को पाना चाहती थी,लेकिन उसके आचरण की वजह से न सिर्फ उसकी जगहंसाई हुई बल्कि उसकी वजह से उसके सारे खानदान का नाश हो गया इसलिए जीवन में भक्ति के बिना सब व्यर्थ है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एसएन शुक्ला, कथा परीक्षत साधना राजीव कोठारी सहित सैकड़ों श्रोताओं ने कथा का आनंद उठाया।

व्हीआईएसएम ग्रुप आफ स्ट्डी? में शारदीय नवरात्रि महोत्सव का धूमधाम से शुभारंभ हुआ।

ग्वालियर महाविद्यालय के परिसर में माँ दुर्गा के आगमन के साथ उनकी प्रतिमा की स्थापना हवन.पूजन एवं हर्षोल्लास के साथ हुई। सुबह से ही महाविद्यालय में त्योहार का माहौल देखने को मिला छात्र.छात्राओं द्वारा परिसर में बने भव्य मंदिर में मनमोहक रंगोलियाँ बनाई गई। पण्डाल की साज.सज्जा नर्सिंगए फार्मेसी व पैरामेडीकल के छात्र.छात्राओं द्वारा मिलकर की गई।

चापाखेड़ा में नौ दिवसीय गरबा महोत्सव प्रारंभ

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री नवदुर्गा उत्सव सेवा समिति नीम चौक चापाखेड़ा द्वारा भव्य नवरात्रि महोत्सव मनाया जायेगा आज से प्रारंभ हुवे इस नौ दिवसीय कार्यक्रम को पूरे गांव वाले बड़े ही उत्साह के साथ मनाते हैं प्रथम दिन मां शैलपुत्री का भव्य श्रृंगार किया गया आरती करने वाले पंडित जी श्री दुर्गाशंकर जी शर्मा के द्वारा प्रतिदिन सुबह शाम आरती की जावेगी आखरी दिन गरबा खेलने वाली बालिकाओं को समिति सदस्यों द्वारा पुरुस्कार वितरण किए जायेंगे

देश के नागरिक एक साथ संकल्प लेकर आगे बढें: डा. मांडविया

- लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षण संस्थान का दसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

ग्वालियर। भारत वर्ष की आजादी के एक सौ वर्ष पूरे होने के बाद भारत राष्ट को विकसित बनाये जाने का संकल्प लेना चाहिये। इसके लिए देश के नागरिक एक साथ संकल्प लेकर आगे बढें। आज जिन लोगों ने यहां से डिग्री ली है, वह अपने क्षेत्र में जाकर जिम्मेदार नागरिक की तरह संकल्प लेकर कार्य करें। यह बात केन्द्रीय खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को लक्ष्मीबाई राष्टीय शारीरिक शिक्षण संस्थान के दसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये कही। समारोह में 121 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई।

शुक्रवार को दीक्षांत समारोह में खेल मंत्री मांडविया ने कहा कि खुशी की बात है, उस संस्थान के दीक्षांत समारोह में उपस्थित हूं, जिसका नाम रानी लक्ष्मीबाई पर है। जिन्होंने आजादी की ल?ाई की शुरुआत की थी और अंग्रेजों से ल?ी थीं। उनसे प्रेरणा के साथ दिशा व दर्शन मिलता है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान से प?कर जिन छात्रों ने डिग्री ली है, अब वह नया जीवन शुरू करेंगे। छात्र जब प?कर यहां से जाते हैं, दूसरी पारी शुरू होती है। खेल मंत्री ने कहा कि वैसे तो प?ाई का अंत नहीं है। लोगों को पूरे जीवन भर सीखते रहना चाहिये। यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। वहीं अब छात्र दूसरी पारी में नयी जिम्मेदारी के साथ आगे ब?ेंगे। वह जिम्मेदार नागरिक के रूप में दूसरी पारी शुरू कर रहे हैं तो हमेशा सीखने की आदत बनाकर रखें। देश, समाज और परिवार के प्रति जिम्मेदारी पूरी करें। डा. मांडविया ने कहा कि फिजीकल एजूकेशन का जो शिक्षक है तो वह विश्वस्तरीय एथलीट तैयार करे। छात्रों में देश पहले की भावना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं को 2036 में एक से 10 तक और 2047 में एक से पांचवे स्थान पर देश को खेल क्षेत्र में लाने का प्रयास करना चाहिये। डा मांडविया ने कहा कि यही खेल मंत्री होते हुए मेरा लक्ष्य है। इसमें स्वयं सफल होना है और देश को सफल करना है। देश को विकसित बनाना है। इस अवसर पर केन्द्रीय खेल मंत्री मांडविया ने गोल्ड मेडल पाने वाले छात्र बीपीएड की श्रुति मुखोपाध्याय तथा एमपीएड के रीतेश नागर को सम्मानित किया। दीक्षांत समारोह में दीक्षांत भाषण विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा अविनाश शुक्ला ने दिया।

इसके साथ ही संस्थान में 400 छात्रों की क्षमता वाले छात्रावास और नए डिजिटल स्टूडियो का भी खेल मंत्री मांडविया ने उदघाटन किया। इस हास्टल में स्पोटर्स एक्सीलेंस सेंटर खोला जाएगा। नए स्टूडियो में ओडीएल और रिसेट प्रोग्राम के ई-कंटेंट को तैयार किया जाएगा, जिससे छात्र-छात्राओं को प?ाई करने में सहयोग मिलेगा। इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी कुलसचिव डा संजीव यादव ने कुलाधिपति डा. मांडविया, उर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, विधायक मोहन सिंह राठौर का स्वागत किया। दीक्षांत परेड में संयुक्त सचिव खेल भारत सरकार शाभित जैन, निदेशक खेल अरूण यादव, कुलपति प्रो. इन्दु बोरा सहित अन्य प्रोफेसर एवं छात्र मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाएंगे दशहरा मिलन समारोह,सभी लोग सहभागी बनें

क्षत्रीय समाज की बैठक आयोजित,दशहरा मिलन समारोह को लेकर सौंपी जिम्मेदारियां

भितरवार ---- पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी क्षत्रीय समाज दशहरा मिलन समारोह मनाएगा। जिसके सफल आयोजन को लेकर क्षत्रिय समाज की एक बैठक हुई। जिसमें उक्त कार्यक्रम को लेकर विचार विमर्श किया गया। और समाज के लोगों ने विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। क्षेत्र के क्षत्रीय समाज ने दशहरा मिलन समारोह की तैयारियां तेज कर दीं हैं। कार्यक्रम भव्य एवं विशाल हो इसके लिए बुधवार को वार्ड क्रमांक 8 के निवासी अशोक चौहान के निवास पर क्षत्रीय समाज की एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित क्षत्रीय समाज के वरिष्ठजनों ने दशहरा मिलन समारोह को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए उसकी रूपरेखा तय की। कार्यक्रम को लेकर उपस्थित लोगों ने अपने अपने सुझाव दिए। इसके बाद वरिष्ठजनों ने युवाओं को कार्यक्रम की विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी। वहीं इस दौरान क्षत्रिय समाज के लोगों ने शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही प्रगति करता है। इस अवसर पर वरिष्ठजन एस के सिसोदिया,अशोक चौहान,क्षत्रीय समाज के अध्यक्ष बिजेंद्र पवैया, उपाध्यक्ष लोकेंद्र सोलंकी, कोषाध्यक्ष राहुल पवैया, सचिव मनेंद्र परमार,नकुल चौहान आदि उपस्थित थे।

जैविक खेती के प्रोत्साहन हेतु कृषक सम्मेलन का आयोजन

सनावद-जैविक खेती को प्रोत्साहन देने हेतु समीपस्थ ग्राम डुडगांव में किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक सचिन बिरला ने किसानों से रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल छोड़ कर जैविक खेती को अपनाने का आग्रह किया। विधायक ने कहा कि किसान उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक कीटनाशकों का बहुत अधिक उपयोग कर रहा है। इस कारण भूमि की उर्वरा शक्ति कमजोर होती जा रही है। साथ ही अनाजों में हानिप्रद रासायनिक तत्वों की मात्रा बढ़ रही है। इसका मानव के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है और कई तरह की बीमारियां फैल रही हैं। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जैविक खेती करने पर जोर दे रहे हैं। विधायक ने किसानों से रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल छोड़कर जैविक खेती करने का आव्हान किया। विधायक ने कहा कि किसान शुरुआत में एक या दो एकड़ भूमि में प्राकृतिक खेती करें।विधायक ने कहा कि जैविक खेती से उत्पादन बढ़ता है और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। इस दौरान जैविक कृषक मुकेश प्रजापत, शुभम प्रजापत, सावन जैन, सौरभ जैन, धर्मेंद्र जैन,अनिता जटाले सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478